RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 183 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 29-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल में उद्योग और कृषि साथ-साथ फले-फूलेंगे : ममता बनर्जी
6 यूजीसी नियमों से मचा राजनीतिक भूचाल
7 'दलदल' के सेट पर समारा तिजोरी ने भूमि पेडनेकर को किया इंप्रेस

फर्स्ट टेक

ट्रंप ने ईरान पर हमले की धमकी दी

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान पर हमले की धमकी दी। यह अब भी स्पष्ट नहीं है कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने के बारे में ट्रंप क्या निर्णय लेंगे, क्योंकि उन्होंने दो स्पष्ट लक्ष्मण रेखाएं निर्धारित की हैं– एक, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों की हत्या और दूसरी, हिरासत में लिये गए लोगों को बड़े पैमाने पर फांसी दिए जाने की आशंका। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बुधवार को बताया कि ईरान में प्रदर्शनकारियों पर की गई हिंसक कार्रवाई में कम से कम 6,221 लोग मारे गए हैं तथा कई और लोगों के मारे जाने की आशंका है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, ''उम्मीद है कि ईरान जल्द ही बातचीत के लिए आगे आएगा और एक निष्पक्ष एवं न्यायसंगत समझौता करेगा, एक ऐसा समझौता जो सभी पक्षों के लिए अच्छा हो।''

हमास का पाक, बांग्लादेश में संपर्क स्थापित करना चिंता का विषय : इजराइल

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने बुधवार को कहा कि हमास नेताओं का पाकिस्तान और बांग्लादेश में संपर्क स्थापित करना सभी देशों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। अजार ने 'पीटीआई वीडियो' के साथ एक विशेष बातचीत में कहा, ''हमारा मानना है कि हमें इसके खिलाफ लड़ना ही होगा। हमास का पाकिस्तान और बांग्लादेश में संपर्क स्थापित करना हम सभी के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।'' राजदूत ने यह भी कहा कि भारत और इजराइल इन मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं। अजार ने कहा, हम इन मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं, और मुझे उम्मीद है कि हम भविष्य में होने वाले किसी भी हमले से खुद को बचाने के तरीके खोज लेंगे।''

भारत और सऊदी अरब ने आतंकवाद रोधी सहयोग पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और सऊदी अरब ने बुधवार को आतंकवाद रोधी सहयोग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया और सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों सहित सभी प्रकार के आतंकवाद की निंदा की। रियाद में आयोजित 'इंडिया-सऊदी अरब सिक्यूरिटी वर्किंग ग्रुप' की बैठक में, आतंकवाद का सामना करने के तरीकों पर प्रमुखता से चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने सभी प्रकार के आतंकवाद की निंदा की, जिसमें सीमा पार आतंकवाद, पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुआ कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला और नवंबर में लाल किले के पास हुई आतंकी घटना शामिल है।

29-01-2026	30-01-2026
सूर्यास्त 6:19 बजे	सूर्योदय 6:46 बजे

BSE	NSE
82,344.68	25,342.75
(+487.20)	(+167.35)

सोना	चांदी
17,208 रु.	379,720 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

छद्म धारायें

कमजोर बता मुंहजोरों को,
मत करो व्यर्थ महिमा मण्डित।
बांटो मत वोटों के खातिर,
मर्यादाओं को कर खण्डित।
कानून बनाने वाले सब,
होते हैं सब ज्ञानी पण्डित।
धारायें हों यदि छद्म भरी,
तो लोकतंत्र होगा दण्डित।।

बारामती हवाई अड्डे के निकट विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री

अजित पवार एवं चार अन्य लोगों की मृत्यु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के पुणे जिले में बुधवार को बारामती हवाई अड्डे के पास एक 'टेबलटॉप रनवे' से महज 200 मीटर की दूरी पर एक विमान के दुर्घनटाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई।

दादा (बड़े भाई) के नाम से मशहूर अजित पवार (66) के निधन से न केवल महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में एक बड़ा खालीपन पैदा हुआ है, बल्कि उनकी अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के भविष्य पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

अजित पवार के चाचा और राकांपा के संस्थापक शरद पवार ने कहा कि यह एक दुर्घटना थी और इसे राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए।

एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए विमान से बरामद किए जाने वाले 'ब्लैक बॉक्स' (जिसमें फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर शामिल हैं) का विश्लेषण किया जाएगा।

'वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड' की ओर से संचालित 16 साल पुराना चार्टर्ड विमान 'लियरजेट' बारामती हवाई अड्डे पर दूसरी बार लैंडिंग का प्रयास करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बारामती एक गैर-नियंत्रित हवाई क्षेत्र है, जहां आमतौर पर स्थानीय उड़ान प्रशिक्षण संगठनों के प्रशिक्षक और पायलट यातायात से जुड़ी जानकारी देते हैं। पवार राज्य में पांच फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव के प्रचार अभियान के तहत जनसभाओं को संबोधित करने के लिए मुंबई से बारामती जा रहे थे।

दुर्घटना में जान गंवाने वालों में कैप्टन सुमित कपूर भी शामिल हैं, जिनके पास 15,000 घंटे का उड़ान अनुभव था। 1,500 घंटे का उड़ान अनुभव रखने वाली सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) विधिप जाधव और विमान परिचारिका पिंकी माली की भी इस हादसे में मौत हो गई।

सरकार ने एक बयान जारी किया, जिसमें दुर्घटना का क्रम विस्तार से बताया गया है।

■ खराब दृष्यता के बीच रनवे पर उतरने के प्रयास में हुई विमान दुर्घटना

अजित दादा ने महाराष्ट्र और भारत के विकास में, विशेषकर ग्रामीण जीवन स्तर को ऊपर उठाने में, महत्वपूर्ण योगदान दिया। मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। हम आज (इस दुर्घटना में) जान गंवाने वाले सभी लोगों के परिजनों के साथ खड़े हैं।

'विमान हादसे की जांच होनी चाहिए'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार से संबंधित विमान हादसे पर दुख जताते हुए इस पूरे मामले की जांच की मांग की।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अजित पवार की मौत की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की। ममता बनर्जी की इस मांग के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''जांच तो होना चाहिए क्योंकि ऐसा हादसा हुआ है..सभी नेता (विमान से) जाते हैं, कॉरपोरेट (के लोग) भी जाते हैं। अहमदाबाद में दुर्घटना हुई। यह छोटा विमान था, ऐसा क्यों हुआ, इसकी जांच तो होनी चाहिए।''

अजित पवार की मौत हादसा ही है, इसमें राजनीति को न लायें : शरद पवार

पुणे/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को परोक्ष रूप से झिड़की लगाते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने बुधवार को कहा कि अजित पवार और चार अन्य लोगों को ले जा रहे विमान का दुर्घटनाग्रस्त होना एक हादसा था और इसे राजनीतिक रंग न दिया जाए। शरद पवार ने पत्रकारों से कहा कि अजित की मृत्यु महाराष्ट्र के लिए एक बड़ा सदमा है, जिसने एक मेहनती और कुशल नेता को खो दिया है। उन्होंने कहा कि यह क्षति अपूरणीय है।

राहुल और कनिमोझी की मुलाकात, सीट बंटवारे पर गतिरोध बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और द्रमुक नेता कनिमोझी ने बुधवार को बैठक की, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर फिलहाल कोई सहमति नहीं बनी है।

सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी के आवास 10 जनपथ पर हुई इस बैठक में सीटों को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। सूत्रों ने बताया, दोनों नेताओं ने उन मुद्दों पर चर्चा की जिन्हें हल करने की आवश्यकता है। हालांकि बैठक में कांग्रेस की सीटों की संख्या पर चर्चा नहीं हुई।

कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के नेता इस बार विधानसभा चुनाव में कम से कम 30 सीटों पर चुनाव लड़ने के साथ सत्ता में समुचित भागीदारी चाहते हैं, लेकिन द्रमुक कांग्रेस को पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीट देने की इच्छुक नहीं है। कांग्रेस 2021 में 25 सीटों पर चुनाव लड़ी थी।

द्रमुक नेता और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के कांग्रेस नेतृत्व के साथ अच्छे संबंध हैं, ऐसे में इस मुद्दे के जल्द हल किए जाने की उम्मीद की जा रही है।

कांग्रेस के कुछ नेता तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी, तमिलागा वेट्री कषगम (टीवीके) को भी गठबंधन के लिए एक विकल्प के तौर पर मानते हैं, हालांकि सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस नेतृत्व द्रमुक के साथ ही चुनाव में जाने का इच्छुक है।

तमिलनाडु में आगामी अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव संभावित है।

ईडी ने रिलायंस समूह की कंपनियों की 1,800 करोड़ रुपए की संपत्तियां कुर्क कीं

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को कहा कि उसने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के तहत 1,800 करोड़ रुपए से अधिक की नई संपत्तियों को कुर्क किया है। इस ताजा कार्रवाई के साथ ही इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा कुर्क की गई कुल संपत्ति का मूल्य अब लगभग 12,000 करोड़ रुपए हो गया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि उसने इस संदर्भ में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चार अलग-अलग अंतरिम आदेश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि कुर्क की गई संपत्तियों में बैंक जमा, गैर-सूचीबद्ध निवेशों में शेयरधारिता और कुछ अचल संपत्तियां शामिल हैं।

आधुनिक युद्ध अब 'कोड' और 'क्लाउड' तक लड़े जा रहे हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की ताकत और उसके सशस्त्र बलों की वीरता को साबित किया और स्वदेशी हथियारों की प्रगति को प्रदर्शित किया है। उन्होंने दिल्ली छावनी में आयोजित वार्षिक एनसीसी प्रधानमंत्री रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक युद्ध में, लड़ाई केवल सीमाओं या टैंक या तोप के उपयोग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह 'कोड और क्लाउड' में भी लड़ी जा रही है।' उनका संदर्भ साइबर और सूचना युद्ध से था।

प्रधानमंत्री ने करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम के दौरान एनसीसी द्वारा प्रस्तुत ऑपरेशन सिंदूर थीम पर आधारित विशेष झांकी पर संज्ञान लेते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एनसीसी कैडेट के प्रयासों की सराहना की।

इस अभियान के दौरान, देश भर में 75,000 से अधिक राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) कैडेट ने स्वेच्छा से नागरिक सुरक्षा, अस्पताल प्रबंधन, आपदा राहत और सामुदायिक सेवाओं में अथक परिश्रम किया।

मोदी ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की ताकत और उसके सशस्त्र बलों की वीरता को फिर से साबित किया। इसने उन्नत स्वदेशी हथियारों भी प्रदर्शित किया।''

प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी कि प्रौद्योगिकी में पिछड़ने वाले राष्ट्र न केवल अर्थव्यवस्था में बल्कि सुरक्षा में भी कमजोर हो जाते हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि युवाओं द्वारा किए गए नवाचार देशभक्ति को मजबूत करते हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देते हैं।

प्रस्तुति

नई दिल्ली के करिअप्पा ग्राउंड में गुरुवार को आयोजित एनसीसी रैली के दौरान कलाकार प्रस्तुति देते हुए।

सोना 1.71 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम

चांदी रिकॉर्ड 3.85 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी रहा। कमजोर अमेरिकी डॉलर और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच दोनों नए शिखर पर पहुंच गए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपए यानी 4.05 प्रतिशत बढ़कर 3,85,000 रुपए (सभी कर सहित) प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 3,70,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 3,29,500 रुपए प्रति किलोग्राम थी। सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपए यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए शिखर पर पहुंच गया।

विकास को जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर बांटा नहीं जा सकता : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिद्धार्थनगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि विकास को जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर बांटा नहीं जा सकता और सरकार बिना किसी भेदभाव के एक समग्र दृष्टिकोण के साथ कल्याण और विकास कार्य के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भेदभाव रहित दृष्टिकोण राम राज्य (न्यायपूर्ण, नैतिक, जन-केंद्रित एक आदर्श शासन) को दर्शाता है।

सिद्धार्थनगर में 1,052 करोड़ रुपए से अधिक की 229 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार उत्तर प्रदेश की पूरी आबादी को एक परिवार मानती है और समावेशी एवं सतत विकास की भावना से काम करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''समाज को बांटकर विकास हासिल नहीं किया जा सकता। इसे एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ और बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ाना होगा – कोई 'मेरा' या 'तुम्हारा' नहीं, कोई जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्रीय भेदभाव नहीं। केवल यही भेदभाव रहित दृष्टिकोण राम राज्य की सच्ची भावना को दर्शाता है।'' सिद्धार्थनगर महोत्सव के उद्घाटन के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता और इटावा विधायक माता प्रसाद पांडे, राज्य मंत्री अनिल राजभर, डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल और अन्य जन प्रतिनिधि शामिल हुए।

आदित्यनाथ ने भगवान बुद्ध को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सिद्धार्थनगर को एक पवित्र भूमि बताया जिसने दुनिया को करुणा और सद्भाव का संदेश दिया। उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की कथित तौर पर एक विमान दुर्घटना में हुई मौत पर भी शोक व्यक्त किया।

देश की आर्थिक बुनियाद में मजबूती आई, नागरिकों की आय बढ़ी : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश की आर्थिक बुनियाद काफी मजबूत हुई है और सरकार की नीतियों के चलते नागरिकों की आय भी बढ़ी है। राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत पूरी होना भारत के विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों को गति देगा और युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर पैदा करेगा। राष्ट्रपति ने कहा, पिछले 11 वर्षों में देश की आर्थिक बुनियाद काफी सशक्त हुई है। विभिन्न वैश्विक संकटों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

उल्लेखनीय है कि देश की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में अनुमान से अधिक 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी जो पिछले डेढ़ साल में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति को नियंत्रित रखने में भी देश का रिकॉर्ड और बेहतर हुआ है, जिसका सीधा लाभ गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को मिला है। राष्ट्रपति ने कहा, ''सरकार की नीतियों के कारण देशवासियों की आय बढ़ी है, बचत बढ़ी है और खरीद शक्ति में भी वृद्धि हुई है।''

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन बड़ी उपलब्धि : मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए असम के कामाख्या और पश्चिम बंगाल के हावड़ा के बीच हाल ही में शुरू की गई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सराहना की और इसे भारतीय रेल की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग की सेवा करने वाली भारतीय रेल 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य के बेहद करीब पहुंच चुकी है। उन्होंने दिल्ली और मिजोरम की राजधानी आइजोल के बीच सीधे रेल संपर्क का भी उल्लेख किया, जिसे राजधानी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर शुरू किया गया। राष्ट्रपति ने कहा कि जब यह ट्रेन पहली बार आइजोल पहुंची, तो स्थानीय लोगों में दिखी खुशी और उत्साह ने पूरे देश को गर्व और आनंद से भर दिया।

पिछले दशक में गरीबों के लिए चार करोड़ पक्के मकान बनाए गए

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि सरकार ने पिछले एक दशक में गरीबों के लिए चार करोड़ पक्के मकान बनाए हैं और बीते एक वर्ष में गरीबों को 32 लाख नए घर मिले हैं। मुर्मू ने बजट सत्र के पहले दिन अपने अभिभाषण में कहा कि जल जीवन मिशन के तहत पांच वर्षों में साढ़े 12 करोड़ नए परिवारों तक पाइप से पानी पहुंचाया गया और बीते एक वर्ष में करीब एक करोड़ नए परिवारों तक नल से जल की सुविधा पहुंची है। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के माध्यम से अब तक 10 करोड़ से ज्यादा परिवारों को एलपीजी कनेक्शन मिले हैं और पिछले वर्ष भी यह अभियान तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा, ''पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत देश के 20 लाख से अधिक कारीगरों को प्रशिक्षण और बैंक से मदद दी जा रही है।

अजित पवार विमान हादसा

वो अंतिम 26 मिनट...

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को ले जा रहे विमान को बुधवार सुबह खराब दृश्यता के बाद हवा में एक चक्कर लगाने के बाद एटीसी से उतरने की अनुमति मिल गई थी। लेकिन अंतिम तौर पर मिली अनुमति के बाद विमान ने एटीसी को कोई 'रीड-बैक' या प्रतिक्रिया नहीं दी और कुछ ही क्षण बाद रनवे किनारे पर वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने पहले कहा था कि विमान खराब दृश्यता के बीच उतरने की कोशिश कर रहा था। नागर विमानन मंत्रालय द्वारा जारी किये गये एक बयान में 'वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड' के दुर्भाग्यपूर्ण 'लेयरजेट 45' विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के अंतिम मिनटों का ब्योरा दिया गया है। इस दुर्घटना में पवार समेत विमान में सवार सभी पांच लोगों की मौत हो गई। बारामती में एक 'अनियंत्रित हवाई क्षेत्र' है। 'अनियंत्रित हवाई क्षेत्र' का सामान्य अर्थ ऐसी जगह है, जहां कम दृश्यता में संचालन के दौरान विमान को निर्देश देने के लिए एक उचित 'इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम' का अभाव हो। इस स्थिति में बारामती में यातायात संबंधी जानकारी बारामती के उड़ान प्रशिक्षण संगठनों के प्रशिक्षकों/पायलटों द्वारा प्रदान की जाती है। बारामती विमान यातायात नियंत्रण कक्ष (एटीसी) के अनुसार, विमान से पहली बार सुबह आठ बजकर 18 मिनट पर संपर्क हुआ।

इसके बाद, जब विमान बारामती से 30 नॉटिकल मील दूर था तब उसने संपर्क किया। पायलट को अपने विवेक से 'दृश्य मौसम संबंधी स्थितियों' में नीचे उतरने की सलाह दी गई। चालक दल ने हवाओं और दृश्यता के बारे में पूछा। तब उसे बताया गया कि हवाएं शांत हैं और दृश्यता लगभग 3,000 मीटर है। नागर विमानन मंत्रालय के बयान में कहा गया है,''इसके बाद विमान ने आखिरी तौर पर रनवे 11 के करीब आने की सूचना दी, लेकिन कहा कि रनवे उसे दिखाई नहीं दे रहा है। उसने पहले प्रयास में हवा में चक्कर लगाना शुरू किया।'' चक्कर लगाने के बाद, चालक दल से फिर पूछा गया कि क्या उन्हें रनवे दिखाई दे रहा है। जवाब था: '' फिलहाल रनवे नजर नहीं आ रहा है। जब रनवे नजर आयेगा, हम संपर्क करेंगे।'' कुछ सेकंड बाद, चालक दल ने बताया कि उसे रनवे दिखाई दे रहा है। बयान में कहा गया है, ''विमान को सुबह आठ बजकर 43 मिनट पर रनवे 11 पर उतरने की अनुमति दी गई। हालांकि, उसने (चालक दल ने) लैंडिंग की अनुमति के बारे में कोई उत्तर नहीं दिया (एटीसी को जवाब नहीं दिया)। इसके बाद, सुबह आठ बजकर 44 मिनट पर एटीसी ने रनवे 11 के किनारे के आसपास आग की लपटें देखीं।''

आपातकालीन सेवाएं तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। विमानन के क्षेत्र में, 'चक्कर लगाना (गो-अराउंड)' एक मानक प्रक्रिया है जिसमें पायलट पहली बार में विमान उतारने का प्रयास रोक देता है और विमान उतारने की अगली कोशिश के तहत उसे ऊपर ले जाता है। इसका उपयोग तब किया जाता है जब खराब मौसम, रनवे पर अस्थिर 'लैंडिंग' स्थिति या यातायात जैसे कारणों से सुरक्षित 'लैंडिंग' संभव न हो। 'रीडबैक' एक महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रक्रिया है जिसमें पायलट विमान यातायात नियंत्रण कक्ष से प्राप्त संदेश या निर्देश के आवश्यक हिस्सों को दोहराता है। यह एक 'क्लोज्ड-लूप' संवाद प्रणाली के रूप में कार्य करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नियंत्रक के निर्देश उड़ान (चालक) दल द्वारा सही ढंग से सुने और समझे गए हैं। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने इस हादसे की जांच अपने हाथ में ले ली है। बयान में कहा गया है कि एएआईबी महानिदेशक जांच के लिए दुर्घटनास्थल पर जा रहे हैं। विमान परिवहन कंपनी एक गैर-नियतकालिक ऑपरेटर (एनएसओपी) थी, जिसके पास अनुमति संख्या 07/2014 थी। प्रारंभिक एओपी (हवाई अड्डा संचालन योजना) 21 अप्रैल 2014 को जारी की गई थी। एओपी का अंतिम नवीनीकरण तीन अप्रैल 2023 को किया गया था और यह 20 अप्रैल 2028 तक वैध है। 'वीएसआर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड' के बेड़े में सात 'लेयरजेट 45' विमान (दुर्घटना में शामिल विमान सहित), पांच एम्ब्रेयर 135बीजे विमान, चार किंग एयर बी200 विमान और एक पिलाटस पीसी-12 विमान हैं। बयान में कहा गया है कि पवार को ले जा रहे विमान का आखिरी नियामक ऑडिट डीजीसीए ने फरवरी 2025 में किया था और 'कोई प्रथम स्तरीय निष्कर्ष जारी नहीं किया गया था।

लोकसेवा के प्रति अटूट समर्पण के लिए जाने जाते थे अजित पवार: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि वह जनता के प्रति करुणा और लोकसेवा के प्रति अटूट समर्पण के लिए जाने जाते थे। सिंह ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, ''महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु की खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं। अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में वह महाराष्ट्र के विकास और समृद्धि के प्रति समर्पित रहे।'' उन्होंने कहा, ''वह जनता के प्रति करुणामय और लोकसेवा के प्रति समर्पित थे। मैं उनके परिवार, शुभचिंतकों और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।''

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार (66) और चार अन्य लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले के बारामती के पास विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई।

अजित पवार की मृत्यु देश के लिए अपूरणीय क्षति: गडकरी

नागपुर/मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कई अन्य नेताओं ने बुधवार को विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और इसे न केवल महाराष्ट्र बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

गडकरी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि इस हादसे में पवार की मृत्यु की खबर स्तब्ध करने वाली, दुर्भाग्यपूर्ण और हृदयविदारक है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार के साथ उनका बेहद घनिष्ठ व्यक्तिगत संबंध रहा है। उन्होंने कहा, उन्हें मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि। कई वर्षों तक राज्य विधानमंडल में साथ काम करते हुए मेरी अजित दादा के साथ बहुत घनिष्ठ मित्रता रही। उनकी प्रशासनिक कुशलता, विकास की स्पष्ट दृष्टि और लोगों से सीधे जुड़ने की क्षमता ने महाराष्ट्र की राजनीति में उनका ऐसा स्थान सुनिश्चित किया जिसे कभी कोई और नहीं ले पाएगा। गडकरी ने कहा कि महाराष्ट्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध इस जननेता की असमय मृत्यु केवल राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

महाराष्ट्र के छह बार के उपमुख्यमंत्री रहे अजित पवार के लिए सपना ही रह गया मुख्यमंत्री पद

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में छह बार सेवा दे चुके अजित पवार के लिए मुख्यमंत्री पद सपना ही बनकर रह गया। बुधवार को एक दुखद विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई और मुख्यमंत्री बनने का उनका सपना कभी साकार नहीं हो पाया।

अजित पवार (66) जमीन से जुड़े नेता थे जो अपनी प्रशासनिक कुशलता के लिए जाने जाते थे। बुधवार सुबह पुणे जिले के उनके गृह क्षेत्र बारामती में एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। अनुभवी नेता अजित पवार ने राज्य का मुख्यमंत्री बनने की अपनी इच्छा कभी छिपाई नहीं। जुलाई 2023 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के गठबंधन वाली सरकार में शामिल होने से पहले वह नवंबर 2019 में देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री रहते हुए उपमुख्यमंत्री थे। हालांकि वह सरकार मुश्किल से दो दिन ही चली।

अजित पवार एक कर्मठ व्यक्ति माने जाते थे। जहां कई नेताओं की छवि कार्यक्रमों में देरी से पहुंचने वालों की है तो वहीं पवार समय के बड़े पाबंद थे। उनके नाम कांग्रेस, शिवसेना और भाजपा के नेतृत्व वाली कई सरकारों में उपमुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड है। अजित पवार का राजनीतिक करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा । वह हमेशा ही इन सब से बाहर निकले, चाहे वह कथित तौर पर 70,000 करोड़ रुपये का सिंचाई घोटाला हो या पुणे में उनके बेटे पार्थ के जमीन सौदे को लेकर हालिया विवाद। अजित पवार को प्यार से लोग 'दादा' (बड़े भाई) कहा करते थे। वह अपनी बात खुलकर कहने के लिए जाने जाते थे और खासकर ग्रामीणों के सामने अपनी राय व्यक्त करते समय शब्दों को घुमा-फिराकर नहीं बोलते थे।

अजित पवार ने 2013 में राज्य के कुछ हिस्सों में पानी और बिजली की गंभीर कमी का मजाक उड़ाते हुए एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। हालांकि अपनी टिप्पणियों को लेकर आलोचनाओं से घिर जाने के बाद उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। पुणे के इंदापुर के एक गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सोलापुर के सूखाग्रस्त इलाके के किसान भैया देशमुख का उपहास उड़ाया था, जो मुंबई के आजाद मैदान में अधिक पानी की मांग को लेकर अनशन पर थे। उन्होंने कहा था, ''वह पिछले 55 दिनों से अनशन पर हैं। अगर बांध में पानी ही नहीं है, तो हम उसे कैसे छोड़ सकते हैं? क्या हम उसमें पेशाब कर दें? अगर पीने के लिए पानी ही नहीं है, तो पेशाब करना भी संभव नहीं है।'' राज्य के कुछ हिस्सों में बिजली कटौती की स्थिति का जिक्र करते हुए अजित पवार ने कहा था, ''मैंने देखा है कि रात में बिजली जाने के कारण अधिक बच्चे पैदा हो रहे हैं। ऐसा लगता है कि करने के लिए फिर कोई और काम नहीं बचता।'' राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संस्थापक शरद पवार की छत्रछाया से बाहर निकलकर जुलाई 2023 में अजित पवार ने अपने चाचा के खिलाफ बगावत कर दी तथा पार्टी के नाम और चिह्न के साथ-साथ पार्टी के अधिकतर विधायकों को अपने पाले में कर लिया।

प्रधानमंत्री ने तेजी से बढ़ते भारतीय विमानन क्षेत्र में किया निवेश का आह्वान

हैदराबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को देश के तेजी से बढ़ते नागर विमानन क्षेत्र में निवेश का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय विमानन क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिला है। विमानन शिखर सम्मेलन विंग्स इंडिया 2026 में मोदी ने नागर विमानन क्षेत्र की वृद्धि क्षमता का उल्लेख किया और कहा कि 2047 तक देश में 400 से अधिक हवाई अड्डे होंगे।

मोदी ने इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत एक प्रमुख वैश्विक विमानन केंद्र बन रहा है, लेकिन यह विमानन संबंधी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रह सकता है।

मोदी ने कहा कि सुधारों के साथ भारत ग्लोबल साउथ और दुनिया के बाकी हिस्सों के बीच एक बड़ा विमानन प्रवेश द्वार बनता जा रहा है। उन्होंने इसे विमानन क्षेत्र से जुड़े निवेशकों और विनिर्माताओं के लिए एक बड़ा अवसर बताया।

दुष्कर्म के बाद नहर में फेंककर सात वर्षीय बच्ची की हत्या

बड़वानी/भाषा। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले में दुष्कर्म के बाद सात वर्षीय बच्ची को नहर में फेंककर उसकी हत्या के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बुधवार को उसके 17 वर्षीय रिश्तेदार को हिरासत में लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) जगदीश डावर ने बताया कि जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के मुंडला गांव के लोगों की सूचना पर 26 जनवरी (सोमवार) को इंदिरा सागर नहर से सात साल की बच्ची का शव बरामद किया गया था। चिकित्सकों ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्ची के निजी अंगों में गंभीर चोटों और पानी में डूबकर दम घुटने से उसकी मौत का जिक्र किया। डावर ने बताया कि मामले में 17 वर्षीय लड़के को हिरासत में लिया है जो बच्ची का रिश्तेदार है।

पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, नाबालिग लड़के ने पूछताछ में बताया कि 25 जनवरी की रात जब बच्ची के परिवार के सदस्य सो रहे थे, तब वह उसे कथित तौर पर अगवा करके घर के पीछे नहर के पास ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि दुष्कर्म के दौरान बच्ची के रोने और चीखने पर नाबालिग लड़के ने उसे कथित तौर पर जान से मारने की नीयत से नहर में फेंक दिया और डूबने के कारण उसकी मौत हो गई। डावर ने बताया कि हिरासत में लिए गए नाबालिग लड़के को किशोर न्यायालय में पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या को लेकर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के संबद्ध प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है और विस्तृत जांच जारी है।

अमेजन 16,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क/एपी। अमेजन करीब 16,000 नौकरियों में कटौती कर रही है। ई-कॉमर्स कंपनी की वरिष्ठ उपाध्यक्ष बेथ गैलेटी ने बुधवार को एक ब्लॉग पोस्ट में इसकी जानकारी दी। यह छंटनी अक्टूबर में हुई छंटनी के बाद हुई है। उस समय अमेजन ने 14,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। उन्होंने कहा कि अमेरिका में कार्यरत कर्मचारियों को पहले कंपनी के भीतर नई भूमिका तलाशने के लिए 90 दिन का समय दिया जाएगा। इसके बाद ही उन्हें कंपनी से अलग होने पर दिए जाने वाला वेतन, 'आउटप्लेसमेंट' सेवाएं तथा स्वास्थ्य बीमा से जुड़े लाभ प्रदान किए जाएंगे।

राष्ट्रपति का अभिभाषण नीरस व खोखले वादों से भरा था: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन के बाद नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र द्वारा तैयार किया गया भाषण नीरस और खोखले वादों से भरा था। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह आरोप भी लगाया कि विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाली मोदी सरकार ने मनरेगा को खत्म कर दिया और करोड़ो लोगों की जीविका छीन ली।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हर साल केंद्रीय मंत्रिमंडल राष्ट्रपति के अभिभाषण को मंजूरी देता है...विकसित भारत का नारा जोर-शोर से दोहराया जाता है, फिर भी इसमें कोई स्पष्ट लक्ष्य, कोई समयसीमा नजर नहीं आती है।'' उन्होंने कहा, ''विकास पर बड़े-बड़े भाषण देते हुए, गरीब-विरोधी, पूंजीपति-समर्थक मोदी सरकार ने मनरेगा को बेरहमी से खत्म कर दिया है। यह एक ऐसा अधिनियम था जो काम के अधिकार की गारंटी देता। करोड़ों श्रमिकों की आजीविका का एकमात्र साधन छीना गया।'' खरगे ने सवाल किया कि यह कैसा 'विकसित भारत' है, जहां गरीबों को जीवित रहने के साधनों से वंचित कर दिया जाता है और नारों के लिए सम्मान की बलि चढ़ा दी जाती है? राष्ट्रपति के अभिभाषण के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''कुछ भी नया नहीं था, सिर्फ उन चीजों का दोहराया गया जो वह पहले कह चुकी हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''सरकार द्वारा तैयार किया गया पूरी तरह से खोखला भाषण है। सरकार के खोखले वादे बार-बार दोहराए गए हैं।''

मनरेगा की बहाली के लिए लोकतांत्रिक तरीकों का इस्तेमाल करेगा विपक्ष: कांग्रेस

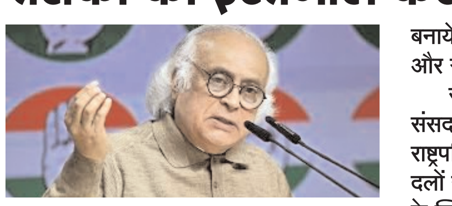

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि विपक्ष महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की बहाली की मांग के लिए सभी लोकतांत्रिक तरीकों का इस्तेमाल करेगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के दौरान, सभी विपक्षी दलों ने मनरेगा को बुलडोजर से (संख्या बल के आधार पर बिना आम सहमति बनाये) खत्म किए जाने के खिलाफ पूरे सम्मान और गरिमापूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया।

रमेश ने 'एक्स'पर पोस्ट किया, ''आज संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में माननीय राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान, सभी विपक्षी दलों ने मनरेगा को बुलडोजर से खत्म किए जाने के खिलाफ पूरे सम्मान और गरिमापूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराया।'' रमेश ने यह भी कहा कि विपक्ष मनरेगा की बहाली की मांग के लिए सभी लोकतांत्रिक तरीकों का इस्तेमाल करेगा।'' राष्ट्रपति मुर्मू ने 'विकसित भारत- जी राम जी अधिनियम' की सराहना करते हुए कहा कि इस कानून से गांवों के विकास को नई गति मिलेगी तथा भ्रष्टाचार एवं लीकेज पर रोक सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने जैसे ही 'विकसित भारत- जी राम जी अधिनियम' का उल्लेख किया, विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया और इस कानून को वापस लेने की मांग करने लगे।

अंकिता मामले में सीबीआई जांच को भटकाने की कोशिश में धामी सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच की सिफारिश के बावजूद राज्य की भाजपा सरकार जांच को भटकाने का प्रयास कर रही है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने यह दावा भी किया कि उत्तराखंड सरकार निष्क्रिय हो चुकी है। गोदियाल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''अंकिता भंडारी के माता-पिता ने लिखित रूप में मांग की थी कि अंकिता के हत्यारों को फांसी की सजा हो, इस केस में शामिल 'वीआईपी' को भी सजा मिले तथा सीबीआई जांच किसी न्यायाधीश की निगरानी में हो।'' उन्होंने कहा, ''उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घोषणा की थी कि सीबीआई जांच करवाई जाएगी। अंकिता के माता-पिता के प्रार्थना पत्र को आधार बनाकार जांच करवाई जानी थी, लेकिन सीबीआई जांच से पहले ही किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्राथमिकी दर्ज की गयी और फिर इस प्राथमिकी के आधार पर सीबीआई जांच की बात की गई।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह संदेह पैदा हो चुका है कि उत्तराखंड की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री धामी, अंकिता भंडारी हत्याकांड में जांच को भटकाने के लिए कुछ तिकड़म कर रहे हैं।

मैकाले के षड्यंत्रों ने लोगों में हीनभावना भरी, इस सरकार ने ही उसे तोड़ने का साहस किया है : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि गुलामी के कालखंड में मैकाले के षड्यंत्रों ने भारत के लोगों में हीनभावना भरी थी, लेकिन आजादी के बाद पहली बार इस सरकार ने ही उसे तोड़ने का साहस किया है।

संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचने के लिए जितना महत्व आधुनिक विकास को देना है, उतना ही महत्व अपने राष्ट्रीय आत्मसम्मान और सांस्कृतिक स्वाभिमान को भी देना है। उन्होंने कहा, ''सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भारत विश्व के समृद्धतम देशों में से एक है। मेरी सरकार इस विरासत को देश की ताकत बनाने के लिए काम कर रही है।'' मुर्मू ने ब्रिटिश शासन के एक अधिकारी का जिक्र करते हुए कहा, ''गुलामी के कालखंड में मैकाले के षड्यंत्रों द्वारा भारत के लोगों में हीन-भावना भरने का काम किया गया था। अब आज़ादी के बाद पहली बार मेरी सरकार ने ही उसे तोड़ने का साहस किया है।'' उन्होंने कहा कि आज देश अपनी सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने और संवारने के लिए हर मोर्चे पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ''इसी दिशा में मेरी सरकार के प्रयासों से सवा सौ वर्षों बाद भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष वापस भारत लौटे हैं। उन्हें अब सामान्य जनमानस के दर्शन के लिए समर्पित किया गया है।''

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौता, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करेगा: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि इससे विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों को गति मिलेगी और देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। मुर्मू ने कहा कि पिछले 11 वर्ष में देश की आर्थिक नींव काफी मजबूत हुई है और भारत विभिन्न वैश्विक संकटों के बावजूद दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

बजट सत्र के पहले दिन संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, '' यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता संपन्न होने पर, मैं सभी नागरिकों को बधाई देती हूं। इससे भारत के विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों को गति मिलेगी और भारत के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।'' राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के अपने प्रदर्शन में और सुधार किया है जिसका सीधा लाभ गरीब एवं मध्यम वर्ग को मिल रहा है। उन्होंने कहा, '' मेरी सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप, नागरिकों की आय बढ़ी है, उनकी बचत में वृद्धि हुई है और उनकी क्रय शक्ति में भी सुधार हुआ है।'' भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जिसे 'सबसे बड़ा समझौता' कहा जा रहा है।

इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार एवं रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडा भी पेश किया है।

एटीएम से निकासी 2025 में घटी, प्रति लेनदेन की राशि बढ़ी: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में एटीएम से नकद निकासी में 2025 के दौरान गिरावट देखी गई जबकि प्रति लेनदेन की औसत राशि बढ़ी है। बुधवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

वित्तीय संस्थानों को लॉजिस्टिक समर्थन और एटीएम संचालन से जुड़ी सेवाएं देने वाली कंपनी सीएमएस इन्फो सिस्टम्स की रिपोर्ट 'भारत में उपभोग रुझान 2025' कहती है कि देश के भीतर उपभोक्ता खर्च के लिए नकद का इस्तेमाल अब भी बड़े पैमाने पर हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में एटीएम से मासिक औसत नकद निकासी 2025 में 1.21 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 1.30 करोड़ रुपये थी।

एटीएम से प्रति लेनदेन की औसत राशि 4.5 प्रतिशत बढ़कर 2025 में 5,835 रुपये हो गई, जबकि 2024 में यह 5,586 रुपये थी। सीएमएस ने एक बयान में कहा कि कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में नकद निकासी की प्रवृत्ति अधिक रही, जहां प्रति एटीएम मासिक औसत निकासी 1.30 करोड़ रुपये रही जबकि महानगरों एवं शहरी क्षेत्रों में यह क्रमशः 1.18 करोड़ एवं 1.11 करोड़ रुपये थी। रिपोर्ट के मुताबिक, मौसम, त्योहार और आवाजाही की सुविधा जैसे कारक भी मासिक एटीएम नकद वितरण पर असर डालते हैं। कंपनी ने दुकानदारों से संबंधित नकदी प्रबंधन आंकड़ों के आधार पर उपभोक्ता खर्च के रुझान भी साझा किए। सितंबर महीने में जीएसटी सुधारों के बाद खर्च के रुझान में बदलाव देखे गए।

बीमा क्षेत्र पर 2025 में उपभोक्ता व्यय 25 प्रतिशत रहा जो सरकार की पहल से 32 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, शिक्षा, आतिथ्य और मीडिया एवं मनोरंजन में खर्च क्रमशः सात, नौ और 15 प्रतिशत घटा। सीएमएस के मुख्य व्यवसाय अधिकारी अनुष राघवन ने कहा, वर्ष 2025 के दौरान जीएसटी सुधार और अन्य वृहद-आर्थिक दबावों के बीच भारतीय उपभोक्ता ने खर्च में कटौती नहीं की, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं को संतुलित किया। राघवन ने कहा कि उपभोक्ता अब अधिक सोच-समझकर खर्च कर रहे हैं और अस्थायी विलासिता से मूल्य, सुरक्षा और उपयोगिता की तरफ रुख कर रहे हैं। यह प्रवृत्ति संगठित खुदरा और उपभोक्ता उत्पादों के क्षेत्र में मजबूत वृद्धि के रूप में नजर आई। यह रिपोर्ट सीएमएस नकदी सूचकांक पर आधारित है जिसे एटीएम के माध्यम से नकद आपूर्ति और संगठित खुदरा चैनलों से संग्रहित नकदी दोनों के आधार पर तैयार किया गया है।

फोन टैपिंग के आरोपों को लेकर विधानसभा में हंगामा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर राज्यपाल आवास 'लोकभवन' की फोन टैपिंग कराने का आरोप लगाया है, जिसे लेकर बुधवार को विधानसभा में हंगामा हुआ। राज्य सरकार के मंत्री एच.के. पाटिल ने दावा किया है कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत को दिल्ली से फोन आ रहे थे और वे केंद्र के निर्देशों के तहत काम कर रहे थे।

भाजपा विधायकों ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार को 'फोन टैपिंग सरकार' करार देते हुए सवाल किया कि राज्य के मंत्री लोक भवन और राज्यपाल द्वारा प्राप्त फोन कॉल की जानकारी कैसे प्राप्त कर रहे हैं। राज्य विधानमंडल की संयुक्त बैठक में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान यह मुद्दा उठा।

कर्नाटक विधानसभा में 22 जनवरी को हुए एक नाटकीय घटनाक्रम में, राज्यपाल ने विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्य सरकार द्वारा तैयार किया गया संबोधन पढ़ने से इनकार कर दिया और अपना पारंपरिक भाषण मात्र तीन पंक्तियों में समाप्त कर दिया।

इसे लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान बुधवार को हस्तक्षेप करते हुए, भाजपा विधायक सुरेश कुमार ने राज्यपाल गहलोत का कथित तौर पर अपमान करने और उन पर अनावश्यक आरोप लगाने के लिए कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की।

सुरेश कुमार ने बताया कि अतीत में भी राज्यपालों ने संयुक्त सत्र के दौरान अपने संबोधन को पूरी तरह पढ़े बिना ही विधानसभा के पटल पर रख दिया था। भाजपा विधायक ने जनवरी 2011 में कर्नाटक के तत्कालीन राज्यपाल हंसराज भारद्वाज के भाषण का उल्लेख करते हुए यह दावा किया।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने आरोप लगाया कि मौजूदा राज्यपाल को दिल्ली से फोन पर निर्देश मिल रहे हैं। पाटिल ने कहा, ''दिल्ली से आए फोन के बाद राज्यपाल ने पूरा भाषण नहीं पढ़ा, हमें अब इस बारे में भी बात करनी होगी, जैसा कि आपने पहले की घटना (जिसमें तत्कालीन राज्यपाल भारद्वाज शामिल थे) के बारे में बात की थी।''

इस पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सुरेश कुमार ने कहा कि कानून मंत्री गंभीर आरोप लगा रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा, 'क्या सरकार राज्यपाल को दिल्ली से आने वाली कॉल के बारे में जानने के लिए राजभवन (लोकभवन) के फोन टैप कर रही है?' भाजपा के कई सदस्यों ने कुमार के समर्थन में खड़े होकर यह सवाल उठाया कि क्या सरकार लोकभवन के फोन टैप कर रही है। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में काफी हंगामा हुआ।

विधानसभा में अजित पवार को श्रद्धांजलि दी गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा ने बुधवार को पुणे में एक विमान हादसे में जान गंवाने वाले महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। पवार (66) को ले जा रहा विमान बुधवार सुबह पुणे जिले के बारामती में उतरने की कोशिश करते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख समेत पांच लोगों की मौत हो गई।

कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यूटी खादर ने सदन को पवार की असामयिक मौत की जानकारी देते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पवार के लंबे राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए खादर ने कहा, वह (अजित पवार) गरीब, वंचित किसानों की आवाज थे। वह एक सीधे-सादे राजनीतिज्ञ थे, सहकारिता क्षेत्र के एक प्रमुख व्यक्तित्व थे और अपने समर्थकों के बीच अजित दादा के नाम से जाने जाते थे।

राज्य के कानून और संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल ने पवार के नेतृत्व कौशल को याद करते हुए कहा कि वह उनसे मिलने आने वाले किसी भी व्यक्ति को निराश नहीं करते थे। उन्होंने कहा, अजित पवार अपने फैसलों पर अडिग रहते थे। विपक्ष के नेता आर अशोक, सदन में जद(एस) के नेता सुरेश बाबू, मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर और अन्य सदस्यों ने पवार के नेतृत्व और महाराष्ट्र के विकास में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

चार करोड़ मूल्य के मादक पदार्थ जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के अमृतहल्ली पुलिस थाना क्षेत्र में अन्य राज्यों के 7 और कर्नाटक के 3 कुल 10 लोगों को गिरफ्तार कर चार करोड़ रुपए का मूल्य नारकोटिक ड्रग गांजा, डीएमए, चरस, स्टिक, दो कार, 14 मोबाइल फोन को नकद को जब्त किया है। 19 जनवरी को पक्की जानकारी पर अमृतहल्ली के पास एक जगह छापा मारा गया। जक्कूर के पास रेलवे ट्रेक के पास छापा मारकर पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया। जिसमें 2 केरल मूल के और दो कर्नाटक मूल के हैं। इनके पास से पुलिस को प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 जनवरी को फिर पुलिस ने जीकेवीके के पास छापा मारा वहां से 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। 27 जनवरी का और मैसूरु रोड पर एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार लोगों में एक यलहंका निवासी, एक दिल्ली निवासी, एक मारथहल्ली, सात लोग केरल मूल है।

प्रदर्शन

कर्नाटक स्टेट स्पेशल टीचर्स एंड नॉन-टीचिंग स्टाफ एसोसिएशन के सदस्य विरोध प्रदर्शन के दौरान प्लेकार्ड पकड़े हुए मांग करते हुए।

'मुडा' भूमि आवंटन मामले में सिद्दरामय्या को राहत

अदालत ने लोकायुक्त की 'क्लोजर रिपोर्ट' स्वीकार की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली एक विशेष अदालत ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनकी पत्नी बीएम पार्वती को बड़ी राहत देते हुए एमयूडीए भूमि आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस की ओर से दायर उस क्लोजर रिपोर्ट' को बुधवार को स्वीकार कर लिया, जिसमें दोनों को 'क्लीन चिट' दी गई है। न्यायाधीश संतोष गजानन भट की अदालत ने कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह आदेश पारित किया, जिसमें एमयूडीए भूमि आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस की ओर से दायर 'बी रिपोर्ट' (क्लोजर रिपोर्ट) को चुनौती दी गई थी।

अदालत ने मामले में सिद्दरामय्या के बहनोई मल्लिकार्जुन स्वामी और मूल भूमि मालिक जे देवराज को भी राहत प्रदान की। हालांकि, उसने अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच जारी रखने की अनुमति दी और अगली सुनवाई नौ फरवरी के लिए तय की। अदालत ने अपने फैसले में कहा, जांच अधिकारी की ओर से आरोपी-1 सिद्दरामय्या, आरोपी-2 बीएम पार्वती, आरोपी-3 मल्लिकार्जुन स्वामी और आरोपी-4 जे देवराज के खिलाफ दायर की गई बी रिपोर्ट' को स्वीकार किया जाता है। हालांकि, उसने स्पष्ट किया कि जांच पूरी तरह से बंद नहीं हुई है।

अदालत ने कहा, जांच अधिकारी की ओर से अन्य आरोपियों के खिलाफ की जा रही जांच जारी रहेगी। जांच अधिकारी जांच पूरी होने पर अंतिम रिपोर्ट दाखिल करेंगे। न्यायमूर्ति भट ने जांच अधिकारी के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की शिकायतकर्ता की अपील भी खारिज कर दी।

केंद्रीय एजेंसी की भूमिका पर अदालत ने कहा, यह माना जाता है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को पीड़ित व्यक्तियों के रूप में सीमित हद तक मामले में हस्तक्षेप करने का अधिकार है। अदालत ने प्रशासनिक अनुपालन का निर्देश देते हुए कहा, कार्यालय को निर्देश दिया जाता है कि वह सीलबंद लिफाफे में रखी सीडी फाइलें और अंतिम रिपोर्ट की मसौदा प्रति उचित पहचान के बाद संबंधित जांच अधिकारी को लौटा दे।

पिछले साल फरवरी में लोकायुक्त पुलिस ने इस मामले में सिद्दरामय्या, पार्वती और दो अन्य आरोपियों को 'क्लीन चिट' देते हुए कहा था कि सबूतों की कमी के कारण उन पर लगाए गए आरोप साबित नहीं हुए हैं।

सिद्दरामय्या, पार्वती, स्वामी, देवराज और अन्य लोग लोकायुक्त पुलिस की ओर से 27 सितंबर 2024 को अदालत के निर्देश पर दर्ज प्राथमिकी में नामजद थे। स्वामी ने देवराज से जमीन खरीदी थी और पार्वती को उपहार में दी थी।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन मामले में आरोप लगाया गया था कि सिद्दरामय्या की पत्नी को मैसूरु के एक पॉश इलाके में 14 वैकल्पिक भूखंड आवंटित किए गए थे, जिनकी कीमत प्राधिकरण की ओर से अधिग्रहित उनकी जमीन की तुलना में काफी अधिक थी। एमयूडीए (मुडा) ने कथित तौर पर सिद्दरामय्या के राजनीतिक प्रभाव के कारण पार्वती को उनकी अविकसित 3.16 एकड़ जमीन के बदले 50:50 के अनुपात वाली योजना के तहत विकसित भूखंड आवंटित किए थे। यह भी आरोप लगाया गया था कि मैसूरु तालुक के कासाबा होबली के केसरे गांव के सर्वेक्षण संख्या 464 में स्थित 3.16 एकड़ भूमि पर पार्वती का कोई कानूनी स्वामित्व नहीं था।

केंद्र ने तमिलनाडु में एफपीओ की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया

चेन्नई/नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसने तमिलनाडु में किसान-उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के कामकाज की समीक्षा करने और सुधारात्मक उपाय सुझाने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति को दो महीने के भीतर अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।

यह निर्णय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के हाल ही में इरोड दौरे के बाद लिया गया, जहां उन्होंने किसानों और अन्य संबंधित लोगों के साथ एफपीओ को होने वाली संचालन, तकनीकी और बाजार संबंधी चुनौतियों पर चर्चा की। मंत्रालय ने बयान में कहा, इन सूचनाओं पर तेजी से कार्रवाई करते हुए मंत्रालय ने राज्य में एफपीओ के प्रदर्शन का अध्ययन करने और उपयुक्त सुधारात्मक उपाय सुझाने के लिए समिति के गठन को मंजूरी दे दी है। समिति में नाबार्ड, नेफेड, एसएफएसी-तमिलनाडु, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - राष्ट्रीय केला अनुसंधान केंद्र (एनआरसीबी), एफपीओ प्रतिनिधि, गैर सरकारी संगठन और कृषि और किसान कल्याण विभाग के अधिकारी शामिल हैं, जो एक व्यापक और क्षेत्र-उन्मुख मूल्यांकन सुनिश्चित करते हैं।

बेंगलूरु में बुधवार को केंद्र और राज्य सरकारों के खिलाफ प्रोटेस्ट के दौरान किसान 'गमछा' लहराते हुए।

तमिलनाडु में मंदिर से जुड़े 120 साल पुराने विवाद में पूर्व न्यायाधीश मध्यस्थ नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के कांचीपुरम में स्थित ऐतिहासिक श्री देवराजस्वामी मंदिर में अनुष्ठानों के निष्पादन को लेकर श्री वैष्णवों के दो संप्रदायों के बीच 120 साल पुराने विवाद को सुलझाने के लिए बुधवार को पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल को बुधवार को मुख्य मध्यस्थ नियुक्त किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की एक पीठ ने एस. नारायणन की अपील पर सुनवाई की जिसमें वादकलाई संप्रदाय को मंदिर के गर्भगृह में प्रार्थना की अनुमति देने की याचिका खारिज करने के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी।

यह विवाद मंदिर के अंदर अनुष्ठानों से जुड़ा है, जहां ऐतिहासिक रूप से थेंकलाई संप्रदाय पूजा-अर्चना कर रहा है। याचिकाकर्ताओं की दलील है कि वादकलाई संप्रदाय के सदस्यों को अनुष्ठानों में भाग लेने का अधिकार नहीं दिया जा रहा है, जबकि उन्हें एक धार्मिक संप्रदाय के रूप में मान्यता प्राप्त है।

प्रधान न्यायाधीश ने आदेश में कहा, वरिष्ठ वकीलों ने दैनिक अनुष्ठानों को सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए मध्यस्थता पर सहमति जता दी है। इस संबंध में हम उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रहे श्री संजय किशन कौल से अनुरोध करते हैं कि वह मुख्य मध्यस्थ के रूप में कार्य करें।

दोनों पक्षों की ओर से मध्यस्थता के जरिये विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान को लेकर सहमति जताए जाने के बाद पीठ ने कहा, न्यायाधीश कौल अपनी पसंद के दो और ऐसे व्यक्तियों को साथ ले सकते हैं जो तमिल और संस्कृत भाषाओं, अनुष्ठानों व मंदिर के धार्मिक इतिहास के बारे में पर्याप्त जानकारी रखते हों। पीठ ने अब इस याचिका पर विस्तृत सुनवाई के लिए 13 मार्च की तारीख तय की है।

'महाराष्ट्र को बड़ा नुकसान', कर्नाटक के नेताओं ने अजित पवार के निधन पर जताया शोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती में विमान हादसे में असामयिक निधन से देशभर में शोक की लहर दौड़ गई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व प्रधानमंत्री और राज्यसभा सदस्य एचडी देवगौड़ा, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि अजित पवार का निधन उन्हें भीतर तक झकझोर गया है। उन्होंने इसे सार्वजनिक जीवन के लिए एक गंभीर और अपूरणीय क्षति करार दिया। सिद्दरामय्या ने अपने शोक संदेश में कहा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में दुखद निधन से मैं बेहद दुखी हूं। उनका जाना सार्वजनिक जीवन के लिए एक बड़ा नुकसान है। उनके परिवार, सहयोगियों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे और उनके प्रियजनों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति प्रदान करे।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने भी अजित पवार के निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि बारामती में लैंडिंग के दौरान हुए विमान हादसे में पवार की मौत से देश ने एक अनुभवी और समर्पित जनसेवक को खो दिया है। देवगौड़ा ने कहा, अजित पवार के जाने से गहरा दुख हुआ है। दशकों तक उन्होंने लोगों की सेवा की और जनहित के लिए काम किया। उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने भी इस खबर पर गहरा दुख जताया। उन्होंने अजित पवार को महाराष्ट्र का एक प्रभावशाली और लोकप्रिय नेता बताया। कुमारस्वामी ने कहा, मैं महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में असामयिक निधन की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। वे एक प्रभावशाली नेता थे और लोगों के बीच उनकी गहरी लोकप्रियता थी। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले। उन्होंने आगे कहा, इस दुख की घड़ी में मैं उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार, उनके पुत्र पार्थ पवार, पूरे परिवार और उनके सभी चाहने वालों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें इस अपार दुख को सहने की शक्ति दे।

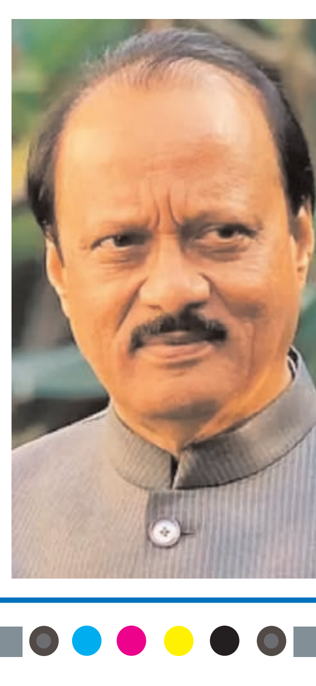

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी हादसे पर शोक जताया। उन्होंने कहा कि अजित पवार का अचानक इस तरह जाना महाराष्ट्र की राजनीति और सार्वजनिक जीवन के लिए एक बड़ी क्षति है। शिवकुमार ने कहा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के दुखद विमान हादसे में असामयिक निधन से मैं स्तब्ध और बेहद दुखी हूं। उन्होंने अनुभव और दृढ़ संकल्प के साथ राजनीति में सेवा की। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। इस दुख की घड़ी में उन्हें शक्ति मिले। भाजपा के कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने भी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, बारामती के पास हुए दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। उनके परिवार, शुभचिंतकों और समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। इस हादसे में जिन अन्य लोगों की भी जान गई है, उनके परिवारों के प्रति भी मेरी संवेदना है। ईश्वर सभी दिवंगत आत्माओं को शांति दे।

कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने भी इस दुखद खबर पर शोक जताया। उन्होंने कहा, बारामती के पास हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निधन अत्यंत दुखद है। उनके परिवार, सहयोगियों, समर्थकों और महाराष्ट्र की जनता के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। इस कठिन समय में ईश्वर उनके प्रियजनों को संबल दे।

पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने भी घटना को बेहद पीड़ादायक बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि अजित पवार ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक अलग पहचान बनाई थी। प्रधानमंत्री मोदी के विकासोन्मुखी नेतृत्व का समर्थन करते हुए पवार ने महाराष्ट्र में भाजपा के साथ गठबंधन किया और राज्य के विकास में अहम भूमिका निभाई। अजित पवार का जाना न केवल महाराष्ट्र की राजनीति के लिए, बल्कि एनडीए के लिए भी एक बड़ी क्षति है।

राजस्थान बनेगा एयरोस्पेस और डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग हब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में बहुआयामी विकास नीति के साथ कार्य कर रही है। कृषि, ऊर्जा, पेयजल, शिक्षा, बुनियादी ढांचा, चिकित्सा, उद्योग जैसे क्षेत्रों में प्रगति की रफ्तार बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इसके साथ ही, एयरोस्पेस और डिफेंस विनिर्माण तथा सेवाओं में राज्य की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने एवं राष्ट्र की एयरोस्पेस और डिफेंस विनिर्माण उपलब्धियों में राजस्थान के योगदान को बढ़ावा देने के उददेश्य से राज्य सरकार राजस्थान एयरोस्पेस एण्ड डिफेंस नीति लाई है। यह नीति प्रदेश में रक्षा तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने के साथ ही राजस्थान को एयरोस्पेस और डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग का महत्वपूर्ण हब बनाने की दिशा में सहायक होगी। इस क्षेत्र में बड़े निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ एमएसएमई, स्टार्टअप्स और नवाचार आधारित इकोसिस्टम के विकास पर केन्द्रित यह नीति आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देगी। इस नीति के अंतर्गत प्रदेश में एयरोस्पेस एण्ड डिफेन्स क्षेत्र के विनिर्माण उद्यमों, उपकरण एवं घटक निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, प्रिसीजन इंजीनियरिंग इकाइयों और मेंटेंनेंस, रिपेयर एवं ओवरहॉलिंग से जुड़ी इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा।

इस नीति के अन्तर्गत विनिर्माण परियोजनाओं को न्यूनतम 50 करोड़ रूपये से 300 करोड़ रूपये तक अचल पूंजी निवेश करने पर लार्ज, 300 करोड़ से 1 हजार करोड़ रूपये के निवेश पर मेगा और 1 हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश पर अल्ट्रा मेगा परियोजना की श्रेणी में रखा जाएगा। वहीं, सर्विस सेक्टर के लिए 25 करोड़ से 100 करोड़ रूपये तक अचल पूंजी निवेश वाली परियोजनाएं लार्ज, 100 करोड़ से 250 करोड़ रूपये तक मेगा और 250 करोड़ से अधिक के निवेश वाली परियोजनाएं अल्ट्रा मेगा की श्रेणी में रखी जाएंगी।

नीति के तहत ए एण्ड डी पार्कों में लगने वाले पात्र एयरोस्पेस एवं डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग और सेवा उद्यमों को एसेट क्रिएशन इन्सेन्टिव के रूप में 7 वर्षों तक राज्य कर के 75 प्रतिशत पुनर्भरण का निवेश अनुदान दिया जाएगा। साथ ही, विनिर्माण उद्यमों के लिए 20 से 28 प्रतिशत और सर्विस सेक्टर के लिए 14 से 20 प्रतिशत तक 10 वर्षों में वितरित पूंजीगत अनुदान अथवा 10 वर्षों तक वार्षिक किश्तों में देय 1.2 प्रतिशत से 2 प्रतिशत तक टर्नओवर लिंक्ड प्रोत्साहन में से किसी एक विकल्प का चयन करने की सुविधा दी जाएगी।इसके अतिरिक्त इन प्रोत्साहनों पर टॉप-अप के रूप में 10 से 15 प्रतिशत एम्प्लॉयमेंट बूस्टर, पहली तीन मेगा अथवा अल्ट्रा मेगा इकाइयों के लिए 25 प्रतिशत सनराइज बूस्टर, 10 प्रतिशत एंकर बूस्टर, 20 प्रतिशत थ्रस्ट बूस्टर जैसे लाभ भी प्रदान किए जाएंगे।

11 फरवरी को पेश होगा राज्य बजट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में हुई सदन की कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में 11 फरवरी तक विधानसभा के कार्य संचालन का कार्यक्रम तय किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य सरकार का बजट 11 फरवरी को विधानसभा में पेश किया जाएगा। बीएसी के फैसले के अनुसार राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन में 29 और 30 जनवरी के साथ-साथ 3 व 4 फरवरी को चर्चा होगी। इस दौरान 31 जनवरी से 2 फरवरी तक विधानसभा की कार्यवाही स्थगित रहेगी।

राज्यपाल के अभिभाषण पर हुई बहस का जवाब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 4 फरवरी को शाम 5 बजे सदन में देंगे। इसके बाद 5 से 10 फरवरी तक विधानसभा अवकाश रहेगा। 11 फरवरी को बजट प्रस्तुति के साथ ही उसी दिन कार्य सलाहकार समिति की एक और बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें आगे की कार्यवाही पर निर्णय लिया जाएगा।

ट्रक से टकराने के बाद बस में लगी आग

जयपुर,/भाषा। राजस्थान में बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में यहां से बीकानेर जा रही स्लीपर बस राष्ट्रीय राजमार्ग पर चारा लदे एक ट्रक से टकरा गई, जिससे दोनों वाहनों में आग लग गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हादसा बुधवार सुबह 5.15 बजे सेसोमू स्कूल के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, बस में सवार 40 यात्रियों को आपातकालीन द्वार से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस के अनुसार, बुधवार सुबह श्रीडूंगरगढ़ में चारे से भरा एक ट्रक किसी वाहन से टकराने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुक गया और यह बस इस ट्रक में जा घुसी। बस मंगलवार रात करीब 11 बजे जयपुर से बीकानेर के लिए रवाना हुई थी।

राज्यपाल ने अभिभाषण में कहा

निवेशकों की पहली पसंद बना राजस्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल ने हरिभाऊ बागड़े बुधवार को कहा कि राजस्थान निवेशकों के लिए पहली पसंद बनकर उभरा है। उन्होंने यहां विधानसभा के बजट सत्र के आरंभ में अपने अभिभाषण में कहा,राजस्थान निवेशकों के लिए पहली पसंद बनकर उभरा है। यहां की कानून व्यवस्था, अच्छा माहौल दुनिया भर के उद्यमियों को भा रहा है। इसकी झलक 'राइजिंग राजस्थान निवेश सम्मेलन में दिखी। इसमें राजस्थान में 35 लाख करोड़ के समझौता ज्ञापन हुए। उनमें से आठ लाख करोड़ रुपए का निवेश धरातल पर आ चुका है।

राज्यपाल ने कहा, गांवों में खुशहाली आएगी तभी विकसित राजस्थान बनेगा। राजस्थान सरकार महात्मा गांधी की ग्राम स्वराज्य की अवधारणा को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। भारत सरकार विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी जीरामजी) कानून ग्रामीण आबादी को और सशक्त बनाएगा। इस कानून से स्थायी समितियों का निर्माण होगा। गांवों में 125 दिन का रोजगार मिलेगा। उन्होंने दूध उत्पादन में राजस्थान को देश में दूसरे स्थान पर होने का दावा करते हुए कहा कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है तथा उन्हें दिन में बिजली देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि कुसुम योजना में सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान अग्रणी है तथा किसान अपने खेत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता बन रहा है। राज्यपाल ने कहा, सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन में 12 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की पेंशन दी है। योजनाओं का फायदा जरूरतमंद तक पहुंचे, इसके लिए राशन त्याग योजना में 35 लाख सक्षम लोगों ने लाभ छोड़ा। उन्होंने कहा, यमुना का पानी लाने के लिए दैनिक प्रगति रिपोर्ट अंतिम चरण में है। इंदिरा गांधी नहर के जीर्णोद्धार के लिए 2800 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। इस नहर से जुड़ी सिंचाई परियोजनाओं पर काम चल रहा है। बागड़े ने कहा कि सरकार ने युवा नीति के साथ एक लाख नई भर्तियों का एक भर्ती कैलेंडर जारी किया है तथा 'खेलो इंडिया' विश्वविद्यालय खेल हुआ है, फलस्वरूप प्रदेश में खेलों के प्रति उचित माहौल बना है। उन्होंने कहा कि बिहार में 'खेलो इंडिया' प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने 24 स्वर्ण पदक समेत कुल 60 पदक जीतकर अपने राज्य का नाम रोशन किया है। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान की पहली रिफाइनरी कम पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स प्रोजेक्ट पर 63,500 करोड़ से ज्यादा खर्च किए जा चुके हैं तथा इसे लागू करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गैस पाइपलाइन से घरों तक रसोई गैस पहुंचाने के लिए नई कंपनी बनाई है तथा अप्रैल से दिसंबर तक 53 हजार से ज्यादा नए घरेलू कुकिंग गैस कनेक्शन दिए गए गये हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआई) नीति लागू की है तथा प्रदेश आने वाले समय में एआई के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनेगा।

किसानों की आमदनी के स्थायी आधार के रूप में उभर रहा जयपुर का पंच गौरव आंवला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर जिले में पंच गौरव के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। एक जिलाएक उपज की अवधारणा के अंतर्गत जयपुर जिले के पंच गौरव में आंवले को शामिल किया गया है, ताकि किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ जिले की विशिष्ट पहचान को भी सुदृढ़ किया जा सके।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले की समस्त पंचायत समितियों में प्रथम चरण में प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर कृषकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं। इन सेमीनारों के माध्यम से कृषकों को आंवला फल के औषधीय गुणों, इसकी खेती से होने वाली स्थायी आमदनी की संभावनाओं तथा प्रसंस्करण से संबंधित प्रायोगिक जानकारी प्रदान की जा रही है। अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती विनीता सिंह ने बताया कि इन प्रशिक्षण सेमिनार में महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला कृषकों एवं युवा कृषकों की विशेष सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। कृषि विज्ञान केन्द्र, आईएचआईटीसी दुर्गापुरा, जयपुर तथा कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों के माध्यम से प्रतिभागियों को दो दिवसीय आंवला प्रोसेसिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे मूल्य संवर्धन की दिशा में आगे बढ़ सकें।

मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि इसी क्रम में बुधवार को शाहपुरा स्थित कृषि प्रशिक्षण हॉल में पंच गौरव प्रशिक्षण सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमिनार के दौरान कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को आंवला खेती के आधुनिक एवं उन्नत तरीकों, उत्पादन बढ़ाने तथा गुणवत्ता सुधार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों, कृषक महिलाओं एवं युवा कृषकों के क्षमता संवर्धन के लिए कुल 38 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। आंवला को जयपुर की पहचान के रूप में स्थापित करने तथा किसानों की आय का स्थायी साधन विकसित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। डॉ. कुमावत ने बताया कि आंवला एक टेबल फल नहीं है, बल्कि इसका मुख्य उपयोग प्रसंस्कृत उत्पादों के रूप में किया जाता है। घरेलू स्तर पर आंवला प्रोसेसिंग को बढ़ावा देकर स्थानीय स्तर पर इसकी मांग में वृद्धि की जा सकती है, जिससे न केवल किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

महिला शक्ति, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व का सशक्त मंच साबित हो रही नारी चौपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर जिले में महिला सशक्तिकरण को व्यावहारिक धरातल पर साकार करने की दिशा में सक्षम जयपुर अभियान के अंतर्गत नारी चौपाल कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप तथा जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार बेटी बचाओबेटी पढ़ाओ योजना के तहत उपखण्ड स्तर पर इन कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को चाकसू उपखंड में नारी चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों महिलाओं एवं बालिकाओं ने भाग लिया। बड़ी संख्या में सहभागिता ने यह स्पष्ट किया कि महिलाएँ अब संवाद, निर्णय और नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक डॉ. राजेश डोगीवाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मारवाड़ी लोकगीत, लोकनृत्य, नुक्कड़ नाटक तथा आत्मरक्षा प्रशिक्षण की प्रस्तुतियाँ दी गईं। हम होंगे कामयाब और मेरा काममेरा सम्मान जैसी प्रस्तुतियों के माध्यम से महिलाओं ने स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता का संदेश प्रस्तुत किया। विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियाँ हासिल करने वाली महिलाओं द्वारा अनुभव साझा किए जाने से उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। चाकसू उपखण्ड अधिकारी श्रीमती निधि मीणा की उपस्थिति में आयोजित इस नारी चौपाल में महिलाओं ने अपने आत्मविश्वास, कौशल और नेतृत्व क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास, चिकित्सा, शिक्षा, पुलिस, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने महिलाओं से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, पोषण, स्वरोजगार एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसके साथ ही मौके पर लगाए गए सहायता काउंटरों के माध्यम से योजनाओं से जुड़ा मार्गदर्शन और सहयोग उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं ने सक्षम जयपुर अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर किए तथा बेटी बचाओबेटी पढ़ाओ की शपथ ली। नोडल अधिकारी एवं भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मृणाल कुमार द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। डॉ. डोगीवाल ने बताया कि नारी चौपाल का उद्देश्य महिलाओं को जागरूक, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुना जा रहा है, जिससे नीति एवं क्रियान्वयन में सकारात्मक बदलाव संभव हो रहा है। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जयपुर जिले के सभी उपखण्डों में नारी चौपाल कार्यक्रम चरणबद्ध रूप से आयोजित किए जाएंगे। नारी चौपाल महिलाओं के लिए केवल संवाद का मंच नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन की सशक्त पहल बनकर उभर रही है।

छोटी खाटू में शिक्षा के नए युग की शुरूआत

जयपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, छोटी खाटू के नवीन भवन का भव्य शिलान्यास एवं भूमि पूजन समारोह डीडवाना-कुचामन क्षेत्र के शैक्षिक विकास को नई गति देगा। 449.00 लाख की लागत से बनने वाले इस आधुनिक भवन की आधारशिला मंगलवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रखी। समारोह में अतिथियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे को मजबूत करना केंद्र व राज्य सरकार की प्राथमिकता है। 4.49 करोड़ की यह राशि विद्यालय को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने में मील का पत्थर साबित होगी, जिससे स्थानीय विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्राप्त होगा। कार्यक्रम में मदन दिलावर ने केंद्रीय मंत्री के निर्देश पर इस विद्यालय का नाम अब आचार्य महाश्रमण के नाम से रखने की घोषणा की।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने नई शिक्षा नीति की विशेषताओं के बारे में कहा कि केंद्र सरकार देशभर में शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

राजस्थान के युवाओं के उज्ज्वल, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भविष्य का रोडमैप है

जयपुर/दक्षिण भारत। राज्य सरकार द्वारा युवाओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से तैयार की गई राज्य युवा नीति2026 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विभिन्न विभागों के मध्य सशक्त समन्वय सुनिश्चित करने हेतु बुधवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में राजस्थान युवा बोर्ड की एक महत्वपूर्ण अंतर्विभागीय समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नीरज के पवन, शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग एवं अध्यक्ष, राजस्थान युवा बोर्ड ने की। बैठक में नीति के विजन, उद्देश्यों, रणनीतिक ढांचे एवं क्रियान्वयन तंत्र पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में नीरज के पवन ने कहा कि राज्य युवा नीति2026 का उद्देश्य युवाओं को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि विकास प्रक्रिया का सक्रिय सहभागी बनाना है।

नीति के माध्यम से युवाओं में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक उत्तरदायित्व, डिजिटल दक्षता, शिक्षा एवं कौशल विकास, रोजगार एवं उद्यमिता, नवाचार, खेल एवं स्वास्थ्य, सांस्कृतिक संरक्षण तथा सामाजिक समावेशन को बढ़ावा दिया जाएगा। नीति के अंतर्गत 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को केंद्र में रखते हुए समावेशी, नवाचार-आधारित एवं परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाया गया है।

बैठक में शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग ने राज्य युवा नीति2026 के अंतर्गत निर्धारित सात एकीकृत फोकस क्षेत्रों पर विशेष रूप से विस्तृत चर्चा की। इन फोकस क्षेत्रों के अंतर्गत वर्ष 2026 से 2031 तक के लिए मापनीय लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं, जिनकी प्राप्ति विभागीय अभिसरण, प्रभावी निगरानी एवं नियमित समीक्षा के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। इन फोकस क्षेत्रों में नेतृत्व एवं सामाजिक जिम्मेदारी के अंतर्गत युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों, स्वैच्छिक सेवा, सामुदायिक सहभागिता तथा राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर बल दिया गया। डिजिटल सशक्तिकरण एवं नवाचार के माध्यम से युवाओं की डिजिटल साक्षरता, उभरती तकनीकों में दक्षता, स्टार्ट-अप संस्कृति तथा नवाचार आधारित समाधान विकसित करने पर जोर दिया गया।

गैंती-फावड़े लेकर पहुंचे कांग्रेसी दिग्गज, सीबीआई जांच लिखी साड़ी पहनकर आईं विधायक ऋतु बनावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र का बुधवार को जोरदार आगाज़ हुआ। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही विधानसभा परिसर और मुख्य द्वार पर राजनीतिक माहौल गर्म नजर आया। विपक्ष ने मनरेगा को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया, जबकि एक दैनिक अखबार के कथित स्टिंग ऑपरेशन के खिलाफ लड़ रही निर्दलीय विधायक अपने अनोखे विरोध के कारण चर्चा में रहीं। वे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग लिखी साड़ी पहनकर विधानसभा पहुंची। विधानसभा के मुख्य द्वार पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने प्रदर्शन किया। मनरेगा के समर्थन में कांग्रेस विधायक गैंती, फावड़ा और तगारी हाथ में लेकर पहुंचे और केंद्र सरकार द्वारा योजना में किए जा रहे कथित बदलावों का विरोध किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मनरेगा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और इसके साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ स्वीकार नहीं की जाएगी। इस बीच बयाना से निर्दलीय विधायक ऋतु बनावत भी अपने अलग अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहीं। विधायक निधि में एक अखबार के कथित स्टिंग ऑपरेशन के बाद वे 'उड़ख जांच की मांग' लिखी साड़ी पहनकर विधानसभा पहुंचीं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के इतिहास में पहली बार विधायकों पर इस तरह के आरोप लगे हैं और सच्चाई सामने लाने के लिए निष्पक्ष सीबीआई जांच जरूरी है। सत्र के दौरान राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने करीब एक घंटा 21 मिनट तक अपना अभिभाषण पढ़ा।

इसमें उन्होंने सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का जिक्र किया। राज्यपाल ने बताया कि 'राइजिंग राजस्थान' अभियान के तहत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं, जिनमें से करीब 8 लाख करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर उतर चुका है। इसके अलावा एक लाख नई सरकारी भर्तियों का कैलेंडर जारी करने, रिफाइनरी परियोजना पर 63,500 करोड़ रुपये खर्च करने, घर-घर गैस पहुंचाने के लिए नई कंपनी के गठन और जल प्रबंधन से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी गई।

बीटिंग रिट्रीट : मन मोह लेंगी 'वंदे भारत', 'आनंद मठ', 'अतुल्य भारत' की धुन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों के बैंड बृहस्पतिवार को यहां बीटिंग रिट्रीट समारोह में 'वंदे मातरम्', 'कदम कदम बढ़ाए जा', 'विजय भारत', 'सितारे हिंद' और 'ब्रेव वारियर' गीत सहित कई मधुर गीतों की धुनें प्रस्तुत करेंगे जो राष्ट्र गीत के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न भी होगा।

यह भव्य समारोह परंपरागत रूप से हर साल गणतंत्र दिवस समारोह के समापन का प्रतीक होता है। इस वर्ष, समारोह के लिए विजय चौक पर बैठने के स्थानों का नाम भारतीय वाद्ययंत्रों जैसे 'बांसुरी', 'डमरू', 'एकतारा', 'एसराज', 'मृदंगम', 'नगाड़ा', 'पखावज', 'संतूर', 'सारंगी', 'सरिंदा', 'सरोद', 'शहनाई', 'सितार', 'सुरबहार', 'तबला' और 'वीणा' के नाम पर रखा गया है। कर्तव्य पथ पर इस वर्ष आयोजित औपचारिक परेड और इससे संबंधित अन्य समारोहों का प्रमुख विषय राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्' की डेढ़ सौवीं वर्षगांठ है। रस्मी परेड के निमंत्रण कार्डों पर गीत की 150वीं वर्षगांठ का लोगो, बंकिम चंद्र चटर्जी की एक छवि और 'वंदे मातरम' का वाटरमार्क अंकित है। बीटिंग रिट्रीट समारोह के लिए जारी किए गए निमंत्रण कार्डों पर भी लोगो और स्मृति चिन्ह अंकित हैं। इसके अलावा, 'वंदे मातरम्' के ध्येय वाक्य पर आधारित कार्यक्रमों के तहत 19 से 26 जनवरी तक कई शहरों में सेना और सीएपीएफ के बैंड ने प्रस्तुतियां दीं। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के समापन के उपलक्ष्य में 29 जनवरी को होने वाले बीटिंग रिट्रीट समारोह के दौरान प्रतिष्ठित विजय चौक 'मनमोहक भारतीय धुनों' से गूंजने के लिए पूरी तरह तैयार है। सेना, नौसेना, वायु सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कई केंद्रीय मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य आमंत्रित अतिथियों सहित विशिष्ट दर्शकों के समक्ष मनमोहक धुनों की एक श्रृंखला प्रस्तुत करेंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि समारोह का आरंभ सामूहिक बैंड द्वारा 'कदम कदम बढ़ाए जा' की धुन से होगा, जिसके बाद पाइप और ड्रम बैंड द्वारा 'अतुल्य भारत', 'वीर सैनिक', 'मिली झूली', 'नृत्य सरिता', 'मरूनी' और 'झेलम' जैसी मधुर धुनें प्रस्तुत की जायेंगी।

अदाणी-एम्ब्रेयर समझौते में दो वर्ष में 'अच्छी वृद्धि' देखने को मिलेगी: नागर विमानन मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि अदाणी समूह और ब्राजील की वैमानिकी कंपनी एम्ब्रेयर के बीच सहयोग से अगले दो वर्ष में अच्छी वृद्धि होने की उम्मीद है। 'विंग्स इंडिया 2026' में विमानों के प्रदर्शन वाले 'स्टैंड' का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि भारत-ईयू व्यापार समझौता भारत द्वारा किया गया सबसे जटिल एफटीए (मुक्त व्यापार समझौता) है। पूरा समझौता भारत में विनिर्माण परिवेश के इर्द-गिर्द तैयार किया गया है।

मंत्री ने कहा, '' भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मजबूत संबंध हैं। अगले महीने ब्राजील के राष्ट्रपति (लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा) आ रहे हैं और वह हमारे प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) से भी मुलाकात करेंगे। उनकी उपस्थिति में, वे इस बात पर निर्णय लेंगे कि यह सब कैसे और कब आगे बढ़ेगा।'' उन्होंने कहा, '' लेकिन हमें उम्मीद है कि दो साल के भीतर हम इस क्षेत्र में काफी अच्छी प्रगति देख पाएंगे।'' अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख वैमानिकी कंपनी एम्ब्रेयर ने एक रणनीतिक सहयोग की मंगलवार को घोषणा की। इसका मकसद भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित करना है जो देश की स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिहार की अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल, परिसरों की तलाशी

मुजफ्फरपुर/समस्तीपुर/भाषा। बिहार के मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर जिलों की दो अदालतों को बुधवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। अधिकारियों ने यह जानकारी ने दी। अधिकारियों ने बताया कि दोनों परिसरों को खाली कराकर तलाशी अभियान चलाया गया। मुजफ्फरपुर के नगर पुलिस अधीक्षक मोहिबुल्लाह अंसारी ने कहा, दोपहर के समय ईमेल के जरिए धमकी मिली थी। यह अफवाह निकली है। ईमेल के स्रोत का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सूचना मिलने पर बम निरोधक दस्ते और श्वान दस्ते मौके पर पहुंचे और व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने की। पुलिस ने नागरिकों से अफवाहों पर विश्वास न करने और उन्हें न फैलाने की अपील करते हुए कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर रोक की तैयारी, प्रोत्साहन पैकेज लाने पर विचार

पटना/भाषा। बिहार सरकार ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही चिकित्सकों के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज लाने पर भी विचार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया को व्यवहारिक और संतुलित बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने छह सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो नीति के विभिन्न पहलुओं का गहन अध्ययन कर सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, निजी प्रैक्टिस के चलते कई बार सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की नियमित उपलब्धता प्रभावित होती है, जिससे मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता तथा दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में यह समस्या और अधिक गंभीर रूप ले लेती है। उन्होंने बताया कि इसी को ध्यान में रखते हुए 'सात निश्चय-3' कार्यक्रम के तहत सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं और सुरक्षित जीवन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए यह पहल की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने से पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि चिकित्सकों के मनोबल और आय पर किसी तरह का नकारात्मक असर न पड़े और इसके लिए सरकार एक ऐसी नीति तैयार की जा रही है, जिसके तहत चिकित्सकों को अतिरिक्त सुविधाएं और आर्थिक प्रोत्साहन उपलब्ध कराए जाएंगे। समिति सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की उपस्थिति, मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और चिकित्सकों पर पड़ने वाले कार्यभार जैसे पहलुओं का अध्ययन करेगी।

रोहित ने कहा टी20 विश्व कप में अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी

नई दिल्ली/भाषा। टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि आगामी टूर्नामेंट में हरफनमौला हार्दिक पंड्या और बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत की सफलता की कुंजी होंगे । गत चैम्पियन भारत प्रबल दावेदार के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा ।

रोहित ने जियो हॉटस्टार से कहा ,'' जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दोनों का साथ में होना हमारे लिये बहुत सकारात्मक है क्योंकि दोनों विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं । अर्शदीप नई गेंद से स्विंग कराने में माहिर है और शुरूआती विकेट लेता है । वह नई गेंद से और डैथ ओवरों में गेंदबाजी करता है । शुरूआत और अंत बहुत महत्वपूर्ण है और वह दोनों में मजबूत है ।'' उन्होंने कहा ,'' वह नई गेंद को स्विंग कराके बायें हाथ के बल्लेबाजों को स्लिप में कैच आउट करा सकता है और दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के पैड को निशाना बना सकता है । नई गेंद के गेंदबाजों के लिये यह कौशल काफी अहम है । वह हमेशा विकेट लेने की कोशिश करता है और यही वजह है कि वह पहला ओवर डालता है ।'' रोहित ने कहा ,'' टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसने शानदार गेंदबाजी की । मुझे अभी भी याद है कि क्विंटोन डि कॉक को क्रीज पर जमने के बाद उसने आउट किया और 19वें ओवर में दो या तीन रन ही दिये जिससे दक्षिण अफ्रीका दबाव में आ गई ।'' उन्होंने कहा ,'' वह टी20 विश्व कप 2026 में भी भारत के लिये अहम साबित होगा ।''

बंगाल में उद्योग और कृषि साथ-साथ फले-फूलेंगे : ममता बनर्जी

सिंगूर/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि राज्य में कृषि और उद्योग दोनों साथ-साथ फले-फूलेंगे और इनमें से कोई भी एक दूसरे का अतिक्रमण नहीं करेगा। ममता बनर्जी ने हुगली जिले के सिंगूर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य में कृषि-उद्योग के बीच के अंतर पर अपने रुख को दोहराया। उनका यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यहां आयोजित जनसभा के दस दिन बाद आया है।

मुख्यमंत्री ने टाटा मोटर्स द्वारा नैनो कार फैक्टरी के लिए अधिकृत और अब परित्यक्त भूमि और आसपास के क्षेत्र में विकास परियोजनाओं की भी घोषणा की थी और दावा किया था कि इन पहलों से हजारों स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार सृजित होगा। उन्होंने कहा,''हमने सिंगूर में आठ एकड़ भूमि पर एक कृषि-औद्योगिक पार्क बनाया है। हमने एक निजी औद्योगिक पार्क भी शुरू किया है जहां अमेजन और फ्लिपकार्ट गोदाम स्थापित करेंगे और सिंगूर में हजारों लोगों के लिए रोजगार सृजित करेंगे।'' बनर्जी ने राज्य की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा राज्य के औद्योगिकरण के रुख का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा, ''सिंगूर में कृषि और उद्योग दोनों फले-फूलेंगे। मैं जुमलों में विश्वास नहीं करती, हम अपने वादों को पूरा करते हैं।''

घुसपैठ और एसआईआर मुद्दे को लेकर तृणमूल पर बरसे नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर घुसपैठ को संरक्षण देकर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाताओं को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता परिवर्तन का अनुरोध भी किया।

पार्टी अध्यक्ष पद संभालने के बाद पश्चिम बंगाल के अपने पहले दौरे के दौरान दुर्गापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नवीन ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस जानबूझकर राज्य की जनसांख्यिकी बदलने और बंगाल को बांग्लादेश बनाने का प्रयास कर रही है, जिसे उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा, एक ओर निर्वाचन आयोग घुसपैठियों और फर्जी मतदाताओं को हटाने के लिए दृढ़ संकल्पित है, दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस सरकार भय का माहौल बनाकर और गलत सूचना फैलाकर एसआईआर प्रक्रिया को पटरी से उतारने की कोशिश कर रही है। नवीन ने टीएमसी के इस आरोप को खारिज कर दिया कि आयोग आम लोगों को परेशान कर रहा है। उन्होंने कहा, लोगों को परेशान निर्वाचन आयोग नहीं, बल्कि तृणमूल सरकार के एसडीओ और बीडीओ कर रहे हैं जो भय पैदा करने व निर्वाचन आयोग को बदनाम करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि वे अस्थायी सरकार के इशारे पर काम न करें।

नीतीश कुमार ने किया 90 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को समृद्धि यात्रा के क्रम में दरभंगा जिले में विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा की और 138 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 90 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने स्थानीय नागेंद्र झा स्टेडियम परिसर से 138 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 90 योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इनमें 105 करोड़ रुपए की लागत से 50 योजनाओं का शिलान्यास तथा 33 करोड़ रुपए की लागत से 40 योजनाओं का उद्घाटन शामिल है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 23,384 जीविका स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 93,536 जीविका दीदियों को 311 करोड़ रुपए का सांकेतिक चेक प्रदान किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना, मुख्यमंत्री अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन अनुदान, मुख्यमंत्री निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन अनुदान योजना के सांकेतिक चेक तथा बैटरी चालित ट्राइसाइकिल की चाबी लाभुकों को सौंपी गई। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के दौरान घोषित विकासात्मक योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली।

ओडिशा के नबरंगपुर में घर को चर्च के रूप में इस्तेमाल करने को लेकर तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोरापुट/भाषा। ओडिशा के नबरंगपुर जिले के एक गांव में उस समय तनाव फैल गया, जब ईसाई समुदाय के कुछ सदस्यों ने आरोप लगाया कि उन्हें एक ऐसे मकान में प्रार्थना सभा आयोजित करने से रोका गया, जिसका इस्तेमाल चर्च के रूप में किया जा रहा था। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सोमवार को उमरकोट पुलिस थाना क्षेत्र के कपेना गांव में हुई। ईसाई समुदाय के सदस्यों ने बताया कि 26 जनवरी को सुबह करीब नौ बजे ग्रामीणों के एक समूह ने प्रार्थना सभा में व्यवधान पैदा किया और लगभग 30 ईसाई परिवारों को अपना धर्म त्यागने की चेतावनी दी। कपेना एक हिंदू बहुल गांव है, जहां कुछ परिवारों ने ईसाई धर्म अपना लिया है। नबरंगपुर के जिलाधिकारी महेश्वर स्वैन ने कहा, एक परिवार में हिंदू और ईसाई दोनों समुदायों के सदस्य हैं। पिता हिंदू है, जबकि उसका बेटा ईसाई है। उन्होंने कहा कि सोमवार को जो घटना हुई, वह सांप्रदायिक तनाव नहीं थी, बल्कि परिवारों के सदस्यों के बीच का विवाद था। हालांकि, ईसाई परिवारों ने दावा किया कि विरोधी समूह ने लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करके धमकी दी कि अगर वे अपनी धार्मिक प्रथाओं को जारी रखते हैं, तो प्रार्थना कक्ष को ध्वस्त कर दिया जाएगा और परिवारों को गांव से निकाल दिया जाएगा। स्थानीय निवासी टूना सैंटा ने आरोप लगाया, जब श्रद्धालुओं ने सवाल किया कि उन्हें प्रार्थना क्यों बंद कर देनी चाहिए, तो ग्रामीणों ने प्रार्थना कक्ष को बाहर से बंद कर दिया और सभी को बाहर जाने के लिए मजबूर किया। टूना के मुताबिक, भीड़ ने समुदाय से जुड़े दो लोगों- जलधर सैंटा (17) और मोहन सैंटा (20), पर हमला भी किया।

वाराणसी में 'धोखे से' बीफ खिलाने पर शख्स ने की सहकर्मी की हत्या, गिरफ्तार

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी पुलिस ने कथित रूप से धोखे से बीफ खिलाने पर सहकर्मी की हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोप है कि पीड़ित ने धोखे से आरोपी को बीफ खिला दिया था और फिर बार-बार इस बात पर ताना कसता था। सिंधोरा थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी की पहचान वीरेंद्र के रूप में हुई है, जो सोलापुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार,आठ जनवरी को महागांव गांव में 31 वर्षीय आफताब आलम का शव मिला जिसकी पहचान बिहार के छपरा जिले के निवासी के तौर पर हुई। त्रिपाठी ने बताया कि पीड़ित के परिवार द्वारा हत्या का शक जताने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

उनके मुताबिक, आफताब के बैंक खातों की जांच में वीरेंद्र नाम के व्यक्ति के खाते में पैसे अंतरित होने का पता चला जिसके बाद आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने बताया, एक एटीएम से मिली सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में वीरेंद्र, आफताब के साथ दिख रहा था।

अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है बंगाल का गोमिरा नृत्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दक्षिण दिनाजपुर/भाषा। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले में बांस के घने जंगल में एक स्थान पर ढल रही शाम के बीच माधव सरकार (57) अपने बेटे को उसकी पोशाक पहनाने में व्यस्त हैं। वह नृत्य दल में शामिल अपने पुत्र को काली 'स्पैन्डेक्स' के ऊपर हाथ से कढ़ाई कर तैयार की गई चमकदार लाल पोशाक सावधानी से पहनाते हैं।

इस स्थान के पास ही गांव का एक जर्जर मंदिर है। स्थानीय भाषा में 'थान' कहा जाने वाला यह धर्मस्थल अंधेरे के कारण दूर से बमुश्किल दिखाई पड़ता है। इस क्षेत्र को यहां जल रहे एक अलाव और इसके आसपास रखी कुछ मशालों से रोशन किया गया है। इस स्थान पर भारी भीड़ भी जुटी है जो अपने देवताओं को धरती पर उतरकर नाचते देखने के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रही है। माधव सरकार गोमिरा नृत्यकला के लगभग 20 नर्तकों के एक दल का नेतृत्व करते हैं। गोमिरा एक मुखौटा आधारित लोक कला है जिसकी जड़ें अनुष्ठानों और पौराणिक कथाओं में निहित हैं। कलाकार भारी, जटिल नक्काशी वाले लकड़ी के मुखौटे धारण करते हैं। इन मुखौटों पर 'बुरा-बुरी' (भगवान शिव और देवी पार्वती को दर्शाने वाले), देवी काली, विष्णु के नरसिंह अवतार और साथ ही राक्षसों तथा जानवरों के चित्र बने होते हैं। यहां एक समूह लगातार ढोल और काशी (पीतल की प्लेट) बजाता है जिसपर नर्तक खुले मैदान में अपने अस्थायी मंच पर प्रदर्शन करते हैं। पौराणिक प्रतीकों से परिपूर्ण, प्रत्येक प्रस्तुति का उद्देश्य दुष्ट शक्तियों को दूर करना और देवताओं का आशीर्वाद पाना है, ताकि नई बुआई के मौसम का शुभारंभ सुनिश्चित किया जा सके। सरकार प्रस्तुति के लिए बने मंच पर कलाकारों के प्रदर्शन के क्रम को निर्धारित करते हैं व उनकी पोशाक को तत्काल बदलने का काम संभालते हैं।

प्रस्तुति के चरम पर पहुंचने के बीच सर्दी के बावजूद सरकार के माथे पर पसीने की बूंदे उभर आईं हैं। वह पूरी मेहनत के साथ काम में जुटे हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि कुछ ही दिनों में स्थानीय क्लबों या उत्सव समितियों से बुकिंग कम हो जाएंगी और शायद 'चैत्र' तक, जो बंगाली कैलेंडर का अंतिम महीना है और आमतौर पर मार्च-अप्रैल के बीच आता है, कोई और अवसर न मिले। सरकार ने कहा, ''मैंने नृत्य और इसकी बारीकियां अपने पिता से सीखी हैं, जिन्हें मेरे दादाजी ने प्रशिक्षित किया था। यह हमारे खून में है। मैं अपने बेटे को अपना उत्तराधिकारी बनने के लिए तैयार कर रहा हूं।'' साथ ही उन्होंने कहा कि अन्य लोगों के लिए हालांकि स्थितियां ऐसी नहीं है। सरकार ने कहा, ''मेरे साथ काम करने वाले लोग अक्सर मुझसे कहते हैं कि उनके बच्चों की अब इस कला का अभ्यास करने में रुचि नहीं हैं।''

असम में बांग्लादेशी मियां रहते हैं, भाजपा ने एसआर में उनके खिलाफ पांच लाख शिकायतें दर्ज कराई : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवसागर/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य में बांग्लादेशी मियां रहते हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण (एसआर) के दौरान ऐसे विदेशियों के खिलाफ पांच लाख से ज्यादा शिकायतें दर्ज कराई हैं।

शिवसागर जिले के डेमो में एक आधिकारिक समारोह से इतर संवाददाताओं से बातचीत में शर्मा ने कहा कि अज्ञात लोग अब यहां से चले गए हैं और अपर असम के विभिन्न जिलों में रह रहे हैं, जहां पांच साल पहले तक ऐसा एक भी संदिग्ध व्यक्ति नहीं रहता था। उन्होंने कहा, असम में हम सभी जानते हैं कि बांग्लादेशी मियां यहां आकर रहने लगे हैं। अगर उनमें से किसी को भी एसआर से जुड़ा नोटिस नहीं मिलता है, तो इसका मतलब यह होगा कि असम में एक भी विदेशी नहीं है। शर्मा ने कहा, इसीलिए भाजपा कार्यकर्ताओं ने किसी के विदेशी होने का संदेह होने पर शिकायत दर्ज कराई है और सरकार या निर्वाचन आयोग इसकी जांच करेगा। लेकिन अगर हम कोई शिकायत दर्ज नहीं कराते हैं, तो कल लोग सवाल उठाएंगे कि विदेशियों के खिलाफ एक भी शिकायत क्यों नहीं दर्ज की गई। 'मियां' मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अपमानजनक शब्द है और गैर-बांग्ला भाषी लोग आमतौर पर उन्हें बांग्लादेशी प्रवासी के रूप में पहचानते हैं। हाल के वर्षों में, समुदाय के कार्यकर्ताओं ने विरोध के प्रतीक के रूप में इस शब्द को अपनाना शुरू कर दिया है। शर्मा ने कहा कि एसआर के दौरान शिकायत दर्ज कराना असमिया समुदाय का राष्ट्रीय दायित्व है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ भाजपा की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है। लेकिन दुर्भाग्य से अन्य दलों ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। वे यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि कोई बांग्लादेशी नहीं है। लेकिन भाजपा विदेशियों के खिलाफ है और वह अपने कहे अनुसार काम करती है।

सुविचार

मुस्कुराहट आपकी कोई चुरा ना पाए आपको कोई रुला ना पाए खुशियों की रोशनी इस तरह रोशन हो तुम्हारी जिंदगी में कि कोई तूफ़ान उन्हें बुझा ना पाए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अतीत में उलझे रहेंगे तो आगे कब बढ़ेंगे?

यूजीसी नियमों को लेकर जारी विवाद के बीच जातिगत भेदभाव और आरक्षण के मुद्दे पर भी बहस हो रही है। एक वर्ग के विद्यार्थियों का तर्क है कि हमारे पूर्वजों का सदियों तक शोषण किया गया, इसलिए अब हमें कुछ विशेष सुविधाएं मिलनी चाहिएं। वहीं, एक और वर्ग के विद्यार्थियों का यह तर्क भी वजन रखता है कि देश में सदियों तक विदेशी आक्रांताओं का शासन था, हमारे पूर्वज पराधीन थे। वे शोषक कैसे हो सकते हैं? हिंदू एकता के लिए 'एक हैं तो सेफ हैं' जैसे नारे एक हफ्ते में भुला दिए गए। हम हिंदुस्तानी कितनी आसानी से बंट जाते हैं! विदेशी शासक झूठ का ऐसा मकड़जाल बिछाकर चले गए कि आज भारतवासी अपनी दशा के लिए अपने ही किसी भाई को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ में लोग यह दोषारोपण करते मिल जाएंगे कि फलां वर्ग ने हमें दबाया, पढ़ने नहीं दिया, हमारे संसाधनों का उपयोग किया, लेकिन यह सच्चाई लिखने का साहस कितने लोग दिखाते हैं कि विदेशी शासकों ने हम सबको दबाया, गलत इतिहास पढ़ाया, हमारे संसाधनों को लूटा? आजादी के बाद नेताओं की एक ऐसी मंडली खड़ी हो गई, जो जनता को सही मायनों में शिक्षित करने के बजाय गड़े मुर्दे ही उखाड़ती रही। गरीबी कैसे दूर होगी? बेरोजगारी का उन्मूलन कैसे होगा? स्वास्थ्य सुविधाएं कैसे सुलभ होंगी? उनके पास इन सवालों का कोई जवाब नहीं है। वे सिर्फ पुराने घावों को हरा करना जानते हैं। वे एक वर्ग के बच्चों को उन कथित अपराधों के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं, जो उन्होंने कभी किए ही नहीं।

अत्याचार तो अंग्रेजों ने किए थे। क्या उनके कुकृत्यों के लिए ब्रिटेन की वर्तमान पीढ़ी को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? क्या बाबर के अत्याचारों के लिए उज़्बेकिस्तान के लोगों से जवाब मांगना चाहिए? मुहम्मद ग़ौरी ने जो रक्तपात किया था, उसका हिसाब अफगानिस्तान के लोगों से लेना चाहिए? अगर हम अतीत में ही उलझे रहेंगे तो आगे कब बढ़ेंगे? यह भी याद रखें कि हर सदी में सामाजिक नियम बदलते हैं, नैतिकता बदलती है। सौ साल पहले कोई व्यक्ति किसी 10 वर्षीय निर्धन बालक की मदद करने के लिए उसे नौकरी पर रखता तो वह महान दयालु कहलाता। अगर आज कोई व्यक्ति ऐसा करे तो वह बालश्रम करवाने का गुनहगार कहलाएगा। वह ज़माना और था, यह ज़माना और है, आने वाला ज़माना कुछ और होगा। जब अतीत का हिसाब करते हैं तो यह न भूलें कि अगली सदी में हम सब पर कुछ ऐसे आरोप लग सकते हैं- '21वीं सदी के लोग अत्याचारी थे, क्योंकि पालतू जानवरों को रस्सी से बांधकर रखते थे, उन्हें कपड़े नहीं पहनाते थे ... खुद तो बहुत सांस लेते थे, लेकिन ऑक्सीजन के लिए पौधे नहीं लगाते थे ... एसी कक्ष में बैठकर पर्यावरण संरक्षण की बातें करते थे।' इन दिनों सामाजिक न्याय की बातें बहुत हो रही हैं। इसकी स्थापना के लिए कुछ लोग एक अजीब तरीके का समर्थन कर रहे हैं- 'जिसके पास ज्यादा है या पहले ज्यादा रहा है, उससे छीनें और उसे दें, जिसके पास कम है या पहले नहीं था।' इससे देश का कितना भला होगा, यह एक प्रसिद्ध उदाहरण से समझ सकते हैं- 'किसी गांव में सभी लोग गरीब थे। उनमें से एक प्रतिभा संपन्न युवक पढ़-लिखकर शहर में कमाई करने लगा। एक बार जब वह गांव आया तो किसी ने क्रांतिकारी फॉर्मूले के तहत उससे सारे रुपए छीन लिए और सबको बांट दिए। इससे लोगों की हालत कुछ सुधर गई। युवक के साथ तीन बार ऐसा ही हुआ। वह कमाकर लाता और उससे रुपए छीन लिए जाते। आखिर में उसने कमाना ही बंद कर दिया। वह गरीब हो गया। गांव के सभी लोग वापस गरीब हो गए।' सामाजिक न्याय का यह मतलब नहीं कि दूसरों से छीन लिया जाए, बल्कि यह है कि सबको अच्छे माहौल में अपनी उन्नति करने के लिए समान अवसर दिए जाएं और किसी से भेदभाव न किया जाए।

ट्वीटर टॉक

आज सांसद श्री दुष्यंत सिंह जी की जन संवाद पदयात्रा के द्वितीय चरण का शुभारंभ झालरापाटन विधानसभा क्षेत्र से हुआ। इस अवसर पर निष्कलंक महादेव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश व क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की।

-वसुंधरा राजे

बारामती में हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री अजीत पवार जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वें दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें तथा शोकसंतप्त परिजनों व कार्यकर्ताओं को संबल प्रदान करें।

-दिया कुमारी

राजस्थान में अशांत क्षेत्रों में जनसंख्या संतुलन को ध्यान में रख कर लाया जाने वाला 'दि राजस्थान प्रोहिबिशन ऑफ ट्रांसफर ऑफ इम्मूवेबल प्रॉपर्टी एंड प्रोविजन फॉर प्रॉटेक्शन ऑफ टेनेंट्स फ्रॉम एविक्शन फ्रॉम प्रिमाइसेज इन डिस्टर्ब्ड एरियाज बिल, 2026' कारगर साबित होगा।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

गलती और सच्चाई

एक बार प्रसिद्ध दार्शनिक और लेखक मॉन्तेन अपने बगीचे में टहल रहे थे। उन्होंने देखा एक छोटा-सा नौकर बहुत घबराकर भाग रहा है। पूछने पर पता चला कि उसने गलती से एक कांच का प्याला तोड़ दिया था और उसे डर था कि मालिक डांटेंगे। मॉन्तेन ने उसे पास बुलाया और बोले, 'डर क्यों रहे हो?' लड़के ने कहा, 'मैंने गलती कर दी... सज़ा मिलेगी।' मॉन्तेन मुस्कुराए और बोले, 'अगर हर गलती पर हम लोगों को इतना डराएं कि वे सच छुपाने लगें, तो गलती से बड़ी सच्चाई की हत्या हो जाएगी। मुझे प्याला नहीं चाहिए, मुझे यह चाहिए कि तुम सच्चाई बोलने में सुरक्षित महसूस करो।' उन्होंने नौकर को दंड नहीं दिया बल्कि बाकी लोगों से कहा, 'जहां सच बोलने पर सजा मिलती है, वहां झूठ पनपता है।' धीरे-धीरे पूरे घर में यह आदत बन गई कि जब भी कोई गलती हो, लोग खुलकर बताते और उसी से सबक सीखते।

सामयिक

यूजीसी नियमों से मचा राजनीतिक भूचाल

यह विवाद केवल एक नियमन का नहीं, बल्कि भारतीय समाज की दिशा का प्रश्न बन गया है। समानता का अर्थ यह नहीं कि एक वर्ग की सुरक्षा के नाम पर दूसरे को भय और असुरक्षा में डाल दिया जाए। उच्च शिक्षा में समावेशिता निस्संदेह आवश्यक है, लेकिन वह संतुलन, पारदर्शिता और पारस्परिक विश्वास के बिना संभव नहीं। यदि नियम भय और अविश्वास का वातावरण बनाते हैं, तो वे अपने उद्देश्य से भटक जाते हैं।

प्रो. आरके जैन अरिजीत

भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था एक बार फिर ऐसे संवेदनशील चौराहे पर खड़ी है, जहाँ समानता, न्याय और सुरक्षा जैसे शब्दों के अर्थ को लेकर गहरी बहस छिड़ गई है। 13 जनवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन द्वारा अधिसूचित उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता संवर्धन विनियम को आधिकारिक रूप से जाति आधारित भेदभाव समाप्त करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया गया। आयोग का तर्क है कि पिछले पाँच वर्षों में जातिगत शिकायतों में 118.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और रोहित वेमुला तथा पायल तड़वी जैसे मामलों ने संस्थानों की संवेदनहीनता को उजागर किया है। इसी आधार पर हर विश्वविद्यालय और महाविद्यालय में समान अवसर केंद्र, समानता समिति, 24 घंटे की हेल्पलाइन और संस्थान प्रमुखों की सीधी जवाबदेही जैसे कड़े प्रावधान किए गए। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था वास्तव में सभी के लिए न्याय सुनिश्चित करेगी, या फिर समानता के नाम पर एक नई असमानता को जन्म देगी।

नए नियमों की मूल संरचना ही सबसे बड़ा विवाद बन गई है। जातिगत भेदभाव की परिभाषा लगभग पूरी तरह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग तक सीमित कर दी गई है। इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि सामान्य वर्ग के छात्र या शिक्षक यदि किसी प्रकार के भेदभाव का सामना करें, तो उनके लिए कोई स्पष्ट और समान तंत्र मौजूद नहीं है। पुराने 2012 के नियमों में झूठी शिकायतों पर दंड का प्रावधान था, जिसे नए नियमों में हटा दिया गया है, जिससे जांच प्रक्रिया में संतुलन बना रहता था। नए नियमों में इस प्रावधान को हटाना कई लोगों को चिंतित कर रहा है। आलोचकों का कहना है कि इससे शिकायतें न्याय का साधन कम और दबाव का हथियार अधिक बन सकती हैं। समानता समिति में सामान्य वर्ग का अनिवार्य प्रतिनिधित्व न होना भी निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। यही कारण है कि कई लोग इसे संविधान में निहित समानता और न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध मान रहे हैं।

यह असंतोष अब केवल अकादमिक बहस तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक भूचाल में बदल गया है। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के कई नेताओं और पदाधिकारियों ने खुलकर विरोध दर्ज कराया है। बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने इस्तीफा दिया, जिसमें उन्होंने यूजीसी नियमों को 'ब्लैक लॉ' करार देते हुए सामान्य वर्ग को असुरक्षित बताया और शंकराचार्य के साथ कथित दुर्व्यवहार का भी जिक्र किया; इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में सस्पेंड कर विभागीय जांच शुरू कर दी। लखनऊ में युवा मोर्चा और किसान मोर्चा के अनेक नेताओं सहित कई बीजेपी पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफा देकर पार्टी नेतृत्व को चेतावनी दी और सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं व्यक्त की गईं। सामाजिक माध्यमों पर प्रसिद्ध हस्तियों की टिप्पणियों ने भावनात्मक स्वर को और तीखा कर दिया। आलोचकों का आरोप है कि अन्य पिछड़ा वर्ग को नियमों में प्रमुखता देकर राजनीतिक लाभ साधने का प्रयास किया गया, जबकि सामान्य वर्ग को हाशिए पर धकेला जा रहा है।

राजनीतिक हलचल के समानांतर, देशभर के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र आंदोलनों ने जोर पकड़ लिया है। दिल्ली स्थित आयोग मुख्यालय के बाहर सामान्य वर्ग के छात्रों का धरना यह स्पष्ट संकेत देता है कि विरोध भेदभाव रोकने के उद्देश्य के खिलाफ नहीं, बल्कि एकतरफा व्यवस्था के खिलाफ है। कैंपस में अराजकता नहीं, समानता चाहिए जैसे नारे छात्रों की मानसिक पीड़ा को उजागर करते हैं। अखिल एबीवीपी (बीजेपी से जुड़ा) और एनएसयूआई (कांग्रेस से जुड़ा) जैसे वैचारिक रूप से अलग संगठन भी इस मुद्दे पर एक मंच पर दिखाई दिए, जो अपने आप में असाधारण है। कई छात्र संघों ने औपचारिक पत्र लिखकर नियमों को वापस लेने या संशोधित करने की माँग की है। छात्रों और शिक्षकों का कहना है कि अनुपालन का अत्यधिक दबाव संस्थानों को रक्षात्मक बना देगा, जहाँ झूठी शिकायतों से बचने के लिए सामान्य वर्ग को आसानी से निशाना बनाया जा सकता है। इसका सीधा असर पढ़ाई, शोध और कैंपस के मानसिक माहौल पर पड़ रहा है।

विवाद के बढ़ने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री का बयान सामने आया, जिसमें उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा और कानून का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने आयोग और सरकारों को निष्पक्ष क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सौंपी। लेकिन आलोचक पूछते हैं कि जब नियमों की संरचना ही असंतुलित हो, तो केवल आश्वासन से क्या बदलेगा। उनकी माँग है कि झूठी शिकायतों पर सख्त दंड का प्रावधान जोड़ा जाए, भेदभाव की परिभाषा सभी वर्गों के लिए समान हो और समानता समिति में सामान्य वर्ग का प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया जाए। आयोग का कहना है कि बढ़ती शिकायतों ने कठोर कदम आवश्यक बना दिए थे, लेकिन विरोधी मानते हैं कि आँकड़ों के पीछे के कारणों की गहन जाँच के बिना बनाए गए नियम समस्या को सुलझाने के बजाय बढ़ा सकते हैं।

यह विवाद केवल एक नियमन का नहीं, बल्कि भारतीय समाज की दिशा का प्रश्न बन गया है। समानता का अर्थ यह नहीं कि एक वर्ग की सुरक्षा के नाम पर दूसरे को भय और असुरक्षा में डाल दिया जाए। उच्च शिक्षा में समावेशिता निस्संदेह आवश्यक है, लेकिन वह संतुलन, पारदर्शिता और पारस्परिक विश्वास के बिना संभव नहीं। यदि नियम भय और अविश्वास का वातावरण बनाते हैं, तो वे अपने उद्देश्य से भटक जाते हैं। आयोग को चाहिए कि वह विरोध को हठधर्मिता से नहीं, बल्कि संवाद और संशोधन से संबोधित करे। सुप्रीम कोर्ट में विनीत जिंदल और मृत्युंजय तिवारी जैसी याचिकाएं दाखिल हो चुकी हैं, जिनमें नियमों को असंवैधानिक और एकतरफा बताया गया है। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय इस मामले में निर्णायक होगा, लेकिन उससे पहले यह समझना आवश्यक है कि शिक्षा केवल कानून से नहीं, विश्वास से चलती है। असल प्रश्न यही है कि क्या ये नियम भेदभाव की दीवारें गिराएँगे या नई दीवारें खड़ी करेंगे। इसका उत्तर आने वाले समय में भारतीय उच्च शिक्षा और सामाजिक सद्भाव की दिशा तय करेगा।

नजरिया

निर्मला सीतारमण के पिछले बजटों में नीति की निरंतरता दिखी है। बड़े सुधारों के साथ-साथ स्थिरता बनाए रखने की कोशिश रही है। इस बार भी उनसे यही अपेक्षा है कि वे विकास और जनकल्याण के बीच संतुलन साधें। आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब उसका असर आम आदमी की थाली, जेब और भविष्य की सुरक्षा पर दिखे। विदेशी निवेश, निर्यात और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी है, लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि लाभ केवल चुनिंदा वर्गों तक सीमित न रह जाए। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी पूरी होगी, जब गांव का किसान, शहर का मजदूर, मध्यम वर्ग का कर्मचारी, महिला उद्यमी और पढ़ा-लिखा युवा सभी खुद को इस विकास यात्रा का हिस्सा महसूस करें। यह बजट केवल सरकार की मंशा का नहीं, बल्कि देश की दिशा का संकेत देगा।

आम आदमी की नजर से नौवां बजट

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी 2026 को लगातार नौवां आम बजट पेश करने जा रही हैं। यह केवल एक औपचारिक आर्थिक दस्तावेज नहीं होगा, बल्कि उस दौर का आईना होगा जिसमें आम आदमी महंगाई, रोजगार, स्वास्थ्य और भविष्य की अनिश्चितताओं के बीच संतुलन खोज रहा है। यह अवसर ऐतिहासिक भी है, क्योंकि वह मोरारजी देसाई के दस बजटों के रिकॉर्ड के करीब पहुंच रही हैं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता बनी हुई है, विकसित देशों की मौद्रिक नीतियों का दबाव है, एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती दिख रही है और युद्धों के कारण आपूर्ति शृंखला प्रभावित है, भारत का यह बजट केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि भरोसे का दस्तावेज होना चाहिए।

पिछले कुछ वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने अपेक्षाकृत स्थिरता दिखाई है, लेकिन इसका सीधा लाभ हर घर तक समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। मध्यम वर्ग, जो कर व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, आज सबसे अधिक अपेक्षाएं लगाए बैठा है। यह वर्ग केवल कर में छूट नहीं चाहता, बल्कि जीवन की बुनियादी जरूरतों में राहत चाहता है। वेतनभोगी परिवारों के लिए बढ़ती किस्तें, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और मकान का सपना लगातार महंगा होता जा रहा है। ऐसे में उम्मीद है कि कर कटौती की सीमा बढ़े, ताकि हाथ में बचने वाली आय से रोजमर्रा का जीवन थोड़ा आसान हो सके। केवल आयकर की दरों में बदलाव ही नहीं, बल्कि मकान ऋण पर मिलने वाली ब्याज छूट को बढ़ाने से लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिल सकता है। आज शहरों में एक साधारण घर भी मध्यम वर्ग की पहुंच से दूर होता जा रहा है, ऐसे में सस्ते आवास को प्रोत्साहन देना सामाजिक स्थिरता के लिए भी जरूरी है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में आम आदमी की चिंता और भी गहरी है। बीमारी आज केवल शारीरिक संकट नहीं, बल्कि आर्थिक आपदा बन जाती है। निजी अस्पतालों की बढ़ती लागत और बीमा प्रीमियम ने मध्यम और निम्न आय वर्ग को डरा रखा है। यदि स्वास्थ्य बीमा पर कर में अधिक छूट मिले, वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष प्रावधान हों और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का दायरा बढ़े, तो यह बजट वास्तव में जीवन रक्षक साबित हो सकता है। आयुष आधारित उपचार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की मजबूती और दवाओं की सस्ती उपलब्धता जैसे कदम आम परिवार के लिए राहत की सांस होंगे।

ग्रामीण भारत और किसान इस देश की अर्थव्यवस्था की नींव हैं। आधी से अधिक आबादी आज भी खेती और उससे जुड़े कामों पर निर्भर है, लेकिन आय की अनिश्चितता और बढ़ती लागत ने किसान को असुरक्षित बना दिया है। किसानों को मिलने वाली प्रत्यक्ष सहायता राशि में वृद्धि, सस्ते ऋण की सीमा बढ़ाना और फसल बीमा को अधिक पारदर्शी तथा त्वरित बनाना समय की मांग है। सिंचाई परियोजनाओं में बड़े निवेश से न केवल कृषि उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि गांवों में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। जब गांव मजबूत होंगे, तभी शहरों पर जनसंख्या का दबाव कम होगा और सामाजिक संतुलन बना रहेगा।

लघु और मध्यम उद्योगों की भूमिका भी इस बजट में केंद्र में रहनी चाहिए। ये उद्योग लाखों लोगों को रोजगार देते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। आसान ऋण, सरल कर व्यवस्था और तकनीकी सहायता से ये इकाइयां आत्मनिर्भर बन सकती हैं। विशेष रूप से महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को प्रोत्साहन देने से सामाजिक बदलाव भी आएगा। गांव और कस्बों में यदि छोटे उद्योग फलते-फूलते हैं, तो पलायन रुकेगा और स्थानीय विकास को नई दिशा मिलेगी।

महिलाएं और युवा किसी भी देश के भविष्य की असली पूंजी होते हैं। महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाना केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक प्रगति की भी शर्त है। स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमियों और कौशल प्रशिक्षण योजनाओं को यदि मजबूत समर्थन मिले, तो महिलाएं केवल लाभार्थी नहीं बल्कि विकास की सहभागी बनेंगी। युवाओं के लिए रोजगार सृजन सबसे बड़ी चुनौती है। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी नौकरी न मिलना आज लाखों युवाओं की हकीकत है। यदि बजट में प्रशिक्षु कार्यक्रम, नई नौकरियों के लिए प्रोत्साहन और नवाचार आधारित उद्यमों को सहायता मिले, तो यह निराशा उम्मीद में बदल सकती है।

शिक्षा पर निवेश लंबे समय का निवेश होता है। विद्यालयों से लेकर उच्च शिक्षा तक गुणवत्ता सुधारना आवश्यक है। व्यावसायिक और तकनीकी शिक्षा को समाज की मुख्यधारा में लाने से युवाओं को रोजगार योग्य बनाया जा सकता है। डिजिटल माध्यमों से दूरदराज के क्षेत्रों तक शिक्षा पहुंचाने से ग्रामीण और शहरी बच्चों के बीच की खाई कम होगी। जब शिक्षा सशक्त होगी, तभी जनसंख्या का लाभ वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलेगा। स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे पर खर्च किसी भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। अस्पताल, डॉक्टर, जांच सुविधाएं और चिकित्सा उपकरण यदि सुलभ होंगे, तो जनता का भरोसा मजबूत होगा। इसी तरह सड़क, रेल, हवाई संपर्क और ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश से न केवल रोजगार पैदा होते हैं, बल्कि पूरे देश की उत्पादकता बढ़ती है। स्वच्छ ऊर्जा और पर्यावरण अनुकूल योजनाओं से आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य तैयार किया जा सकता है। जब घरों की छतों पर सौर ऊर्जा पहुंचेगी, तो बिजली का खर्च घटेगा और प्रदूषण भी कम होगा।

निर्मला सीतारमण के पिछले बजटों में नीति की निरंतरता दिखी है। बड़े सुधारों के साथ-साथ स्थिरता बनाए रखने की कोशिश रही है। इस बार भी उनसे यही अपेक्षा है कि वे विकास और जनकल्याण के बीच संतुलन साधें। आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब उसका असर आम आदमी की थाली, जेब और भविष्य की सुरक्षा पर दिखे। विदेशी निवेश, निर्यात और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना जरूरी है, लेकिन साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा कि लाभ केवल चुनिंदा वर्गों तक सीमित न रह जाए।

आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना तभी पूरी होगी, जब गांव का किसान, शहर का मजदूर, मध्यम वर्ग का कर्मचारी, महिला उद्यमी और पढ़ा-लिखा युवा सभी खुद को इस विकास यात्रा का हिस्सा महसूस करें। यह बजट केवल सरकार की मंशा का नहीं, बल्कि देश की दिशा का संकेत देगा। यदि इसमें उम्मीदों और यथार्थ के बीच संतुलन बना, तो यह केवल नौवां बजट नहीं, बल्कि विश्वास का दस्तावेज बन सकता है। आम आदमी आज चमत्कार नहीं, बल्कि ईमानदार कोशिश चाहता है। अगर यह कोशिश दिखाई दी, तो 2047 के सपने की राह और भी स्पष्ट हो जाएगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सनातन धर्म को आज सबसे बड़ा खतरा आंतरिक विभाजन से : मोरारी बापू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

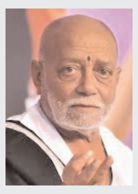

नई दिल्ली/भाषा। प्रख्यात कथावाचक मोरारी बापू ने बुधवार को कहा कि सनातन धर्म को आज सबसे बड़ा खतरा आंतरिक विभाजन से है। उन्होंने उन संप्रदायों पर चिंता व्यक्त की जो मनगढंत देवताओं को स्थापित करने, बढ़ावा देने और पवित्र ग्रंथों में अनधिकृत बदलाव (क्षेपक) कर झूठी कथाएं प्रचारित कर रहे हैं। मोरारी बापू ने यहां कहा, ''भले ही ऐसे संप्रदायों को अन्य शक्तिशाली 'गादियों' का समर्थन मिल जाए, लेकिन 'व्यास पीठ' उन्हें कभी मान्यता नहीं देगी। व्यास पीठ अनादि काल से सनातन धर्म के वास्तविक मूल्यों, शास्त्रों और भगवान राम, कृष्ण, शिव एवं मां दुर्गा जैसे आराध्य देवों के प्रति अडिग रही है।''

मोरारी बापू ने इसके साथ ही कहा कि सनातन धर्म को किसी ऐतिहासिक तिथि या कालखंड की सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। उन्होंने कहा कि यह धर्म सभी आध्यात्मिक परंपराओं का सार है। उन्होंने यह राय नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित नौ दिवसीय रामकथा के समापन पर व्यक्त की। 'मानस सनातन धर्म' शीर्षक से आयोजित यह कार्यक्रम 17 जनवरी से 25 जनवरी तक चला।

मोरारी बापू ने वेदों सहित विभिन्न शास्त्रों का संदर्भ देते हुए कहा कि सनातन धर्म ही एकमात्र शाश्वत धर्म है, जिसे किसी ऐतिहासिक तिथि या कालखंड की सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। उन्होंने कहा कि यह धर्म सभी आध्यात्मिक परंपराओं के सार को जोड़ता है और इसके केंद्र में सत्य, प्रेम, करुणा और अहिंसा के मूल्य समाहित हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की परंपरा वेदों से शुरू होकर उपनिषदों, पुराणों और भगवद गीता तक जाती है। उन्होंने रेखांकित किया कि गोस्वामी तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' इस निरंतरता का अंतिम प्रामाणिक ग्रंथ है और इसके बाद लिखे गए किसी भी ग्रंथ को सनातन धर्म के मूल ग्रंथों का हिस्सा नहीं माना जा सकता।

मोरारी बापू ने सनातन धर्म के प्रतीकों को परिभाषित करते हुए कहा कि इसका प्रवाह गंगा है, पर्वत कैलाश है, अक्षय वृक्ष वटवृक्ष है, ग्रंथ वेद है, चक्र सुदर्शन है, शीतलता चंद्रमा है और प्रकाश स्वयं भगवान सूर्य हैं।

'मानस सनातन' धर्म रामकथा का उद्घाटन उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया जबकि समापन सत्र को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संबोधित किया। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल हुईं और यमुना को साफ करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के पहले दिन मोरारी बापू ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रदर्शन

वाराणसी में बुधवार को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के हाल ही में नोटिफाई किए गए 'हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स रेगुलेशन्स में इक्विटी को बढ़ावा देने, 2026' के खिलाफ स्टूडेंट्स ने वाराणसी में प्रदर्शन करते हुए।

'दलदल' के सेट पर समारा तिजोरी ने भूमि पेडनेकर को किया इंप्रेस

मुंबई/एजेन्सी

मच अवेटेड साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर 'दलदल' में भूमि सतीश पेडनेकर के साथ समारा तिजोरी और आदित्य रावल अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह सीरीज़ खौफनाक हत्याओं, ड्रग्स और एक खतरनाक पीछा-पकड़ की कहानी दिखाती है। हाल ही में भूमि ने अपने को-स्टार्स के साथ काम करने के अनुभव साझा किए और बताया कि वे उनसे काफी प्रभावित और प्रेरित हुईं। भूमि ने कहा,समारा तिजोरी इस पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक होंगी। मैंने कई अच्छे कलाकारों के साथ काम किया है, लेकिन समारा और आदित्य वाकई खास हैं। यह उनके करियर की बस शुरुआत है। ऐसे किरदार निभाने के लिए ऐसे ही सच्चे कलाकारों की जरूरत होती है। उन्होंने आगे कहा,मैंने उनके साथ किए हर सीन में देखा कि वे अपने काम को कितनी गंभीरता से लेते हैं और हर सीन के लिए खुद को कैसे तैयार करते हैं।

'दलदल' में भूमि एक सख्त और निडर पुलिस अफसर डीसीपी रीटा फरेरा की भूमिका निभा रही हैं, जो एक खतरनाक सीरियल किलर आदित्य रावल की तलाश में है। वहीं समारा तिजोरी एक ईमानदार पत्रकार के किरदार में कहानी में नए मोड़ और रोमांच जोड़ती हैं। दर्शक जहां भूमि के दमदार रोल को लेकर उत्साहित हैं, वहीं समारा की परफॉर्मेंस को लेकर भी काफी उम्मीदें हैं। 21 जनवरी को 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज़ किया गया, जिसमें बेरहमी से की गई हत्याओं और एक सीरियल किलर की डरावनी सोच को दिखाया गया है। यह सीरीज़ विश धमीजा की किताब भेंडी बाजार पर आधारित है और इसे अमृत राज गुप्ता ने डायरेक्ट किया है। इसके निर्माता विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी हैं।

'धमाल 4' की रिलीज डेट में बदलाव, 3 जुलाई को देगी सिनेमाघरों में दस्तक

मुंबई/एजेन्सी

मोस्ट अवेटेड कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'धमाल' की चौथी किस्त 'धमाल 4' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता चरम पर है। हालांकि, निर्देशक इंद्र कुमार की इस फिल्म की रिलीज डेट में एक बार फिर बदलाव हुआ है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए घोषणा की कि फिल्म अब 12 जून को रिलीज नहीं होगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, जब अराजकता कॉमेडी से मिलती है, तो समझ लीजिए कि यह धमाल का समय है! नई तारीख शुभ और फैमिली एंटरटेनर के लिए बेस्ट है। 3 जुलाई को फिल्म अल्टीमेट फैमिली एंटरटेनर के रूप में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। यह रिलीज डेट में दूसरी बार बदलाव है। इससे पहले फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली थी और उससे पहले ईद के मौके पर आने वाली थी। मेकर्स ने कुछ वजहों से तारीख बदली, हालांकि वजहों का खुलासा नहीं किया गया। माना जा रहा है कि संभावित बॉक्स ऑफिस क्लैश से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है।

'धमाल 4' में अजय देवगन लीड रोल में हैं। उनके साथ संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार एक्टर्स अहम किरदार में नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी के पुराने सितारे जैसे रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी भी इसमें शामिल हैं।फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। इसे टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है। प्रोड्यूसर्स में अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक शामिल हैं। 'धमाल' फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2007 में हुई थी, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में थे। इंद्र कुमार ने ही इसे डायरेक्ट किया था। इसके बाद साल 2011 में 'डबल धमाल' और 2019 में 'टोटल धमाल' रिलीज हुईं, जो हिट साबित हुईं। 'धमाल 4' इस सीरीज की नई किस्त है, जो पुरानी मस्ती और नए ट्विस्ट के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर और पोस्टर जल्द रिलीज होने की उम्मीद है।

भारत आतंकवाद का सामना कर रहे देशों के दर्द को समझता है : विदेश सचिव

नई दिल्ली/भाषा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने 'होलोकॉस्ट' की भयावहता और समकालीन आतंकवादी कृत्यों के बीच समानताएं बताते हुए बुधवार को कहा कि भारत ऐसे खतरों का सामना कर रहे देशों के साथ सहानुभूति रखता है।

विदेश सचिव ने याद दिलाया कि 'होलोकॉस्ट' की शुरुआत सामूहिक हत्याओं से नहीं हुई थी, बल्कि नफरत भरे शब्दों, लोगों को अमानवीय ठहराने और समाज से बाहर करने की सोच से हुई थी।

इजराइल दूतावास द्वारा 'होलोकॉस्ट' को लेकर आयोजित एक कार्यक्रम में संबोधन के दौरान मिसरी ने 'होलोकॉस्ट' की भयावहता और आज के दौर में आतंकवाद के बीच समानता की ओर इशारा किया। विदेश सचिव ने सात अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमास के आतंकवादी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि उस हमले में करीब 1,200 इजराइली नागरिक मारे गए और सैकड़ों को बंधक बना लिया गया।

उन्होंने कहा कि इजराइल के भारत में राजदूत रूवेन अजार के अनुसार, यह 'होलोकॉस्ट' के बाद एक ही दिन में यहूदियों की सबसे बड़ी हत्या थी।

मिसरी ने कहा, ''भारत दुर्भाग्यवश इस तरह की क्रूरता से परिचित है। सीमा-पार आतंकवाद का शिकार रहने के कारण हम ऐसे देशों के दर्द को तुरंत महसूस करते हैं।'' उन्होंने यह टिप्पणी परोक्ष रूप से पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की ओर इशारा करते हुए की। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद की सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में बिना किसी अपवाद के निंदा की जानी चाहिए और इसके लिए कोई भी औचित्य स्वीकार्य नहीं हो सकता।

विदेश सचिव ने गाजा शांति योजना का स्वागत करते हुए कहा कि यह क्षेत्र में दीर्घकालिक और टिकाऊ शांति की दिशा में एक व्यवहारिक रास्ता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस दिशा में हो रही कोशिशें ठोस और स्थायी समाधान में बदलेंगी। मिसरी ने भारत और इजराइल के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हुई है और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ रहा है।

अरिजीत सिंह के संन्यास पर सिंगर अरमान मलिक ने दी शुभकामनाएं

मुंबई/एजेन्सी

'बर्फी', 'जग्गा जासूस', 'लूडो', और 'मेट्रो इन दिनों' जैसी फिल्मों में शानदार हिट गाने देने वाले सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह दिया है। सिंगर ने संन्यास का फैसला तब लिया है जब वे अपने करियर के कई हिट गाने दे चुके हैं। अब उनके फैसले पर सिंगर अरमान मलिक ने अपना पक्ष रखा है। सिंगर के फैसले का सम्मान करते हुए उन्हें दिल से आगे की यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी हैं। अरिजीत सिंह की आवाज कई लोगों के लिए प्रेरणा रही है, और अरमान मलिक भी उन्हीं सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने सिंगर के संन्यास लेने के फैसले पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आत्मा खुद समझ लेती है कि अब रास्ता बदलने का समय आ गया है, क्योंकि जो सामने है, वह अब उसके सबसे ऊंचे उद्देश्य को पूरा नहीं कर पा रहा। मुझे यह नहीं पता कि नदी फिर कहां जाकर समुद्र से मिलेगी, लेकिन मैं उसकी धारा पर और उसे दिशा देने वाली ईश्वरीय कृपा पर भरोसा करता हूं। आगे आने वाले जादू के लिए शुभकामनाएं! प्लेबैक गायन की कला को आपने जो कुछ भी दिया, उसके लिए दिल से धन्यवाद।

अरिजीत ने मंगलवार को देर रात सोशल मीडिया पर हिंदी सिनेमा में गीत नहीं गाने को लेकर पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था, हैलो, आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं।

इतने सालों से श्रोताओं के रूप में मुझे जो इतना प्यार दिया है, उसके लिए आप सबका धन्यवाद। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब से मैं एक प्लेबैक सिंगर के तौर पर कोई भी नया काम नहीं लूंगा। मैं इसे यहीं खत्म कर रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा। गौर करने वाली बात ये है कि सिंगर भले ही हिंदी सिनेमा में अपनी आवाज नहीं देंगे लेकिन अब वे कई इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के साथ कई ऊंचाइयों की तलाश में हैं। उन्होंने संगीत से संन्यास नहीं लिया है। सिंगर 2027 में कई बड़े प्रोजेक्ट और टूर करने वाले हैं। 2027 से सिंगर का वर्ल्ड टूर शुरू होगा, जिसमें वे लाइव शो के साथ वर्चुअल रियलिटी कॉन्सर्ट्स भी करेंगे।

अरिजीत अंतरराष्ट्रीय म्यूजिक इंडस्ट्री में इंटरनेशनल कलाकारों के साथ भी काम करते दिखते हैं। साल 2025 में उन्होंने एड शीरन के साथ 'सफायर' और मार्टिन गैरिक्स के साथ मिलकर 'एंजल्स फॉर इज अदर' गाया था।

देवरकोंडा और मंदाना की आगामी फिल्म 'रणबाली' सितंबर में होगी रिलीज

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण भारतीय फिल्मों के कलाकार विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म का शीर्षक 'रणबाली' रखा गया है। यह फिल्म 11 सितंबर को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में देवरकोंडा 'रणबाली' की भूमिका में नजर आएंगे जबकि मंदाना 'जयम्मा' का किरदार निभाएंगी।फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को फिल्म की पहली झलक साझा की, जिसे देवरकोंडा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर दोबारा साझा किया।अभिनेता ने लिखा, ब्रिटिश उसे 'जंगली' कहते थे। मैं इससे असहमत नहीं हूं, वह 'हमारा' अदम्य योद्धा था। पेश है 'रणबाली'... हम हमारे इतिहास के उस सच को सामने ला रहे हैं जिसे दफन करने की कोशिश की गई थी।इस फिल्म के जरिए देवरकोंडा और मंदाना की जोड़ी एक बार फिर पर्दे पर देखने को मिलेगी। इससे पहले दोनों ने 'गीत गोविंदम' (2018) और 'डियर कॉमरेड' (2019) जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।देवरकोंडा की हालिया फिल्म गौतम तिन्ननुरी द्वारा निर्देशित 'किंगडम' थी। यह एक जासूसी और एक्शन आधारित रोमांचक फिल्म थी जो जुलाई 2025 में रिलीज हुई थी।

'रणबाली' के अलावा देवरकोंडा 'राउडी जनार्दन' में भी नजर आएंगे। वहीं, रश्मिका मंदाना हाल ही में नवंबर में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में नजर आई थीं। राहुल रवींद्रन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उन्होंने 'भूमा देवी' (भू) की भूमिका निभाई थी।वह जल्द ही शाहिद कपूर और कृति सैनन के साथ 'कॉकटेल 2' और रविंद्र पुल्ले के निर्देशन में बन रही फिल्म 'मैसा' में नजर आएंगी।

अजित पवार के आकस्मिक निधन पर बॉलीवुड स्तब्ध, पवन कल्याण, रितेश देशमुख समेत कई सेलेब्स ने व्यक्त किया दुख

मुंबई/एजेन्सी

एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विमान हादसे में निधन हो गया है। इस घटना से राजनीति गलियारे से लेकर बॉलीवुड तक में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। हर कोई घटना को पीड़ादायक और हृदयविदारक बता रहा है। अब बॉलीवुड सेलेब्स ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। पवन कल्याण और रितेश देशमुख समेत कई सेलेब्स ने घटना पर दुख जताया है। बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख ने सोशल मीडिया पर दुख जाहिर करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, यह जानकर गहरा सदमा लगा और दिल टूट गया है कि अजित दादा का एक दुखद हादसे में निधन हो गया है। महाराष्ट्र के सबसे ऊर्जावान नेताओं में से एक, वे काम में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे और अपने आसपास के लोगों को हमेशा उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करते थे।

उन्होंने आगे लिखा, वे अपनी बात कहने में कभी संकोच नहीं करते थे, उनकी हाजिरजवाबी बेजोड़ थी, और पूरे राज्य में उन्हें बेहद प्यार मिलता था। उनके असामयिक निधन से एक बहुत बड़ी क्षति हुई है और एक अपूरणीय रिक्ति रह गई है। मुझे उनसे कई बार मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था और मैं उनके द्वारा मुझ पर बरसाई गई दयालुता को हमेशा याद रखूंगा। पवार परिवार, उनके प्रियजनों और लाखों समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।वहीं भारतीय फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और निर्माता मधुर भंडारकर ने लिखा, अजित पवार के असामयिक निधन से गहरा सदमा और दुख हुआ है। राज्य की राजनीति में एक महान व्यक्तित्व, उनका जाना अपूरणीय है। इस बेहद कठिन समय में मेरी संवेदनाएं सुनेत्रा जी, पार्थ, जय और पूरे पवार परिवार के साथ हैं। उन्हें शक्ति मिले।

वहीं अजय देवगन ने भी दुख व्यक्त करते हुए लिखा, उपमुख्यमंत्री अजित पवार के दुखद निधन से मैं स्तब्ध और दुखी हूं। उनके परिवार, प्रियजनों और इस अपार क्षति से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। साउथ सुपरस्टार पवन कल्याण ने भी घटना पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, महा एनसीपी के अध्यक्ष और एनडीए गठबंधन के नेता अजित दादा पवार के आज एक भीषण विमान दुर्घटना में निधन की दुखद खबर से मैं अत्यंत स्तब्ध हूं। महाराष्ट्र की जनता के कल्याण और विकास के लिए उनके समर्पित जनसेवा और अमूल्य योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा और जनता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

रानी मुखर्जी पीढ़ियों तक याद रखी जाने वाली अभिनेत्री हैं : रणबीर

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता रणबीर कपूर का कहना है कि उन्हें हमेशा से लगता रहा है कि रानी मुखर्जी भारत की महानतम अभिनेत्रियों में से एक हैं और अपने काम के जरिये उन्होंने सिनेमा जगत में कीर्तिमान गढ़े हैं। रणबीर ने सांवरिया फिल्म में सह-कलाकार रहीं रानी के बारे में विस्तारपूर्वक बात की, जिन्होंने हाल में फिल्म जगत में 30 साल पूरे किए हैं।

साल 1996 में अपने पदार्पण के बाद रानी कुछ कुछ होता है, हम तुम और मर्दानी जैसी अनेक फिल्मों में अभिनय के जलवे बिखेर चुकी हैं।

रणबीर ने एक बयान में कहा, रानी मेरी पहली फिल्म 'सांवरिया' में सह-कलाकार थीं और वही पहली इंसान थीं जिन्होंने मुझसे कहा था कि अगर मैं मेहनत करूं, तो बहुत आगे जाऊंगा। उस बातचीत को मैं कभी नहीं भूल सकता क्योंकि उस समय उन्होंने मुझमें बहुत आत्मविश्वास जगाया। मैंने उन्हें एक इंसान के तौर पर भी क़रीब से देखा है, उनके काम को भी नजदीक से देखा है और उनकी शालीनता, आकर्षण व प्रतिभा से बेहद प्रभावित हुआ हूं। अभिनेता ने कहा कि फिल्मों के चुनाव को लेकर रानी के रुख ने पर्दे पर महिलाओं को दर्शाने के तरीके को आकार दिया है। उन्होंने कहा, पूरी इंडस्ट्री का एक साथ रानी की 30 साल की ऐतिहासिक विरासत का जश्न मनाना वाकई अद्भुत है। मुझे हमेशा लगा है कि रानी पीढ़ियों तक याद रखी जाने वाली कलाकार हैं। वह भारत की सबसे महान अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने अपने काम से हमारी इंडस्ट्री को परिभाषित किया है। फिल्मों और भूमिकाओं के चयन को लेकर उनके रुख ने आज स्क्रीन पर महिलाओं की प्रस्तुति को दिशा दी है।रानी मुखर्जी जल्द ही फिल्म मर्दानी 3 में अभिनय करती नजर आएंगी, जो 30 जनवरी को रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन अभिराज मिनावाला ने किया है और निर्माता आदित्य चोपड़ा हैं।

चौका सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आचार्यश्री महाश्रमणजी के विहार के दौरान रास्ते में चलने वाली भावना चौका सेवा के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की सदस्याओं ने छोटी खाटू में चौका सेवा दी। अध्यक्ष महिमा पटावरी, सुनीता पींचा, अनीता जीरावला, रेखा पितलिया, सज्ञनबाई सियाल, सुशीला मांडोत एवं सरिता छाजेड़ ने सेवा प्रदान की। भावना चौका की व्यवस्था में स्थानीय भावना चौका संयोजिका प्रेम भंसाली का विशेष श्रम रहा।

जेवाईएस के सदस्यों ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से की मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन युवा संगठन(जेवाईएस) के सदस्यों ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें 11 मार्च को आयोजित प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ जन्म कल्याणक एवं 31 मार्च को 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर जन्म कल्याणक समारोह के लिए औपचारिक आमंत्रण प्रदान किया। भेंट के दौरान संगठन के उपाध्यक्ष रितेश पामेचा ने संगठन की गतिविधियों, उद्देश्यों एवं कार्यशैली की विस्तृत जानकारी दी। जैन समन्वय समिति के चेयरमैन अनुराग ललवानी ने आदिनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव की रूपरेखा से अवगत कराया। इस अवसर पर जैन समन्वय समिति के सहचेयरमैन रितेश मेहता, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल सहित संगठन के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पार्श्व सुशीलधाम में 'समर उपधान तप' 8 अप्रैल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड स्थित पार्श्व सुशीलधाम में आचार्यश्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी की निश्रा में 8 अप्रैल से समर उपधान तप प्रारंभ होगा। 47 दिवसीय उपधान तप के समापन के अवसर पर उपधान आराधकों के सम्मान स्वरूप मोक्षमाला समारोह 29 मई को होगा। उपधान तप आयोजक एवं व्यवस्थापक समर उपधान समिति के सदस्य सुशील बांगाणी ने बताया कि स्कूली बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन छुट्टियों में छह वर्ष पूर्व पहली बार सुशीलधाम में उपधान तप का अयोजन किया गया था जिसकी सफलता के मद्देनज़र समिति द्वारा विभिन्न लाभार्थियों के सहयोग से सामूहिक रूप से इस वर्ष भी उपधान तप का आयोजन किया जा रहा है। आयोजक मनीष बालिया ने बताया कि कहा कि शहरी शोर-शराबे से दूर पार्श्व सुशीलधाम के निर्माता भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा परिवार द्वारा तीर्थ परिसर में उपधान हेतु आवश्यक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है । ङ्कङ्कउपधान तप के महत्त्व के बारे में बताते हुए आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि नमस्कार महामंत्र गिनने का वास्तविक अधिकार 47 दिन तक गुरुकुलवास में रहकर तप आराधना कर गुरुमुख से विधिपूर्वक ग्रहण करने पर ही प्राप्त होता है, अतः यह प्रत्येक श्रावक का अनिवार्य कर्तव्य है।

उपधान द्वारा साधु भगवंतों के सान्निध्य में रहकर साधु जैसा जीवन जीने का प्रशिक्षण प्राप्त होता है। उपधान यानी कुछ दिनों तक घर-परिवार , व्यापार-व्यवहार से दूर होकर सीमित संसाधनों के बीच आंतरिक आनंद की अनुभूति करने का अनोखा अनुष्ठान। आचार्यश्री ने इसे बच्चों के समय का श्रेष्ठतम सदुपयोग करार देते हुए कहा कि वर्तमान की जीवनशैली में जहां बच्चों को संस्कार एवं सदाचारमय वातावरण मिलना दुष्कर हो गया है ऐसे में इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सुदृढ भविष्य की नींव डालने में कारगर सिद्ध होते हैं।

गदग सिवांची ओसवाल जैन संघ की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के सिवांची ओसवाल जैन संघ की वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी समिति की पहली बैठक मंगलवार को नए अध्यक्ष सुरेशकुमार श्रीश्रीमाल की अध्यक्षता में हुई। अध्यक्ष ने सभी का स्वागत करते हुए मिलजुल कर कार्य करने का आह्वान किया। संघ में गौतमचन्द चौपड़ा को उपाध्यक्ष, मनोज बाफना को सचिव, विकास जीरावला को सहसचिव, भरत ओस्तवाल को कोषाध्यक्ष व हितेश बाफना को सहकोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। मनोज बाफना ने युवा शाखा से आगे आकर नए प्रोजेक्ट लाकर कार्य करने की अपील की। साथ ही महिला शाखा को सक्रियता से हर कार्यक्रम में भाग लेने की बात कही। संघ के संविधान में आवश्यक संशोधन करने हेतु मदनलाल भंसाली, दलीचंद कवाड़, भवरलाल श्रीश्रीमाल, रमेशजी मिश्रीमल भंसाली एवं मनोज बाफना को मिलाकर एक कमेटी का गठन किया गया। क्रिकेट टूर्नामेंट लिए प्रकाश बंदा एवं विकास जीरावला को संयोजक बनाया गया। दिनेश भंसाली ने संघ के सदस्यों के लिए संघीय बीमा योजना चालू करने का प्रस्ताव दिया। इसके अलावा अनेक विषयों पर खुल कर चर्चा हुई।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ संघ के आचार्यश्री महाश्रमणजी ने बेंगलूरु के गांधीनगर तेरापंथ भवन में साध्वी श्री पावनप्रभाजी के आगामी चातुर्मास की घोषणा की है। गांधीनगर महिला मंडल की अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा, मंत्री विजेता रायसोनी, युवक परिषद मंत्री प्रदीप चोपड़ा, ज्ञानशाला क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया एवं युवक परिषद के कार्यसमिति सदस्य सुधीर पोखरना ने इरोड़ तेरापंथ भवन में विराजित पावनप्रभाजी के दर्शन किए तथा आशीर्वाद लिया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि गुरु इंगित की आराधना करते हुए आध्यात्मिकता के लक्ष्य से कार्यों को सम्पादित करें। इस मौके पर अनेक सदस्य उपस्थित थे।

राजपूत समाज द्वारा चामुंडा माता मंदिर का वार्षिकोत्सव मनाया गया

मंदिर शिखर पर लाभार्थियों ने किया ध्वजारोहण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राजपूत समाज कर्नाटक के तत्वावधान में राणासिंगपेट स्थित चामुंडा माताजी मंदिर का 14वां वार्षिकोत्सव बुधवार को आस्था व श्रद्धा से मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सदस्य परिवार उपस्थित थे। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार, गणेश वंदना एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके पश्चात श्री चामुंडा माताजी की विशेष पूजा, पंचामृत अभिषेक, हवन-यज्ञ एवं वैदिक अनुष्ठानों का विधिपूर्वक आयोजन किया गया। दोपहर में माताजी की दीप महाआरती का आयोजन किया गया। शुभ मुहूर्त में मंदिर शिखर पर लाभार्थियों ने विधि विधा से ध्वजारोहण किया। इस मौके पर मंदिर की विशेष सजावट व दुर्गा प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया गया।भक्तों ने माताजी के दर्शन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, समाज की उन्नति, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य एवं विश्व कल्याण की कामना की। पदाधिकारियों ने कहा कि वार्षिकोत्सव जैसे आयोजनों के माध्यम से समाज में धार्मिक चेतना का प्रसार होता है तथा युवा पीढ़ी अपने संस्कारों, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं से जुड़ती है। समाज के वरिष्ठजनों ने युवाओं को अनुशासन, सेवा भाव एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संदेश दिया। वार्षिकोत्सव के समापन अवसर पर विभिन्न चढ़ावे के लाभार्थियों का सम्मान किया गया।

शरीर मोक्ष का साधन है, उसे तपा कर ही मोक्ष प्राप्ति संभव : साध्वी भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि शरीर मोक्ष का साधन है, इसको पीड़ा देकर तप करना चाहिए? शायद यह प्रश्न काफी लोगों के मन में आता होगा, उसी को समझाते हुए साध्वीश्री ने कहा कि जिस प्रकार कोयला भले ही साधन है, उसको जलाकर ही रसोई बना सकते हैं। कपड़े धोने के लिए बढ़िया साबुन जो अच्छे रैपर में बंध हो, उसको घिसकर ही कपड़े धोने पड़ते हैं। उसी प्रकार शरीर भी साधन है, साध्य नहीं है। पानी को गर्म करना है, तो बर्तन, जिसमें पानी है उसको गरम करना पड़ता है। आत्मा को शुद्ध करने के लिए शरीर को थोड़ा तपाना पड़ता है।जिनवाणी श्रवण से जीवन पवित्र बन जाता है और पापकर्म का क्षय होता है। हमारे लिए जीवन में परनिंदा करना बहुत सहज व सरल है लेकिन अपनी स्वयं की निंदा यानी आत्मालोचना के लिए कहें तो बहुत मुश्किल होगा। दूसरे की कमियां देखना जितना आसान होता है उतना ही कठिन होता है अपनी खामियों को देखना। अंतर्मन की साधना किए बिना व्यक्ति अपनी खामियों को नहीं तलाश पाता है और वह दूसरे की निंदा में लगा रहता है। हमें दूसरों की निंदा में समय व्यर्थ करने की बजाय आत्मचिंतन कर अपने दोष दूर करने और गुणों में वृद्धि करते रहने का प्रयास करना चाहिए, इससे ही इंसान के जीवन के दुःख दूर होंगे।ङ्कसाध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन एवं सम्यक चरित्र की आराधना करने वालों के लिए धर्म उत्कृष्ट होता है। ऐसी साधना करने वाले साधकों का हमेशा जिनशासन में नाम होता है। सम्यक दर्शन होने पर व्यक्ति के पास उत्कृष्ट ज्ञान हो जाता है। इससे उसका सम्यक चरित्र भी उत्तम हो जाता है। इन सम्यक त्रिरत्नों की साधना करने वालों का जीवन सफल एवं सार्थक हो जाता है। धर्म के प्रति समर्पित होकर विधिपूर्वक जाप करने से सुख, साता, शांति व आनंद की प्राप्ति होती है।

मुनिश्री आकाश कुमार के दर्शनार्थ राजराजेश्वरीनगर का श्रावक समाज पहुंचा बल्लारी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। छोटी खाटू में तेरापंथ धर्मसंघ के आचार्य श्री महाश्रमणजी ने मुनि आकाश कुमारजी का आगामी चातुर्मास राजराजेश्वरीनगर के लिए घोषित किया। मंगलवार को आरआर नगर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ के नेतृत्व पूर्व अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़, उपाध्यक्ष सरोज बैद, पारसमल बाफना, सुशील भंसाली(छापर), नरेंद्र मनोत, तेयुप के अध्यक्ष विक्रम महेर, महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू बोथरा, विजयादेवी मनोत, मधु कटारिया ने बल्लारी में विराजित मुनिश्री के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुनि आकाश कुमार जी के साथ सहवर्ती मुनिश्री हितेंद्र कुमारजी, विनीत कुमार जी एवं पुनीत कुमार जी के भी दर्शन किए तथा सभी संतों से शीघ्र ही बेंगलूरु पधारने का निवेदन किया तथा रास्ते की विहार-सेवा एवं अन्य व्यवस्था संबंधी विषयों पर विचार-विमर्श किया।

सम्मान :

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की श्रेयांस पारणा समिति के तत्वावधान में श्रीरामपुरम स्थित जेपीपी जैन श्रमणी सेंटर में संचालित एकांतर वर्षीतप पारणा कार्यक्रम में वार्षिक सहयोगी तारादेवी चैनराज परिवार के अरुणकुमार, हेमंतकुमार, हँसमुखकुमार गोटावत का समिति की ओर से सम्मान किया गया। समिति के चेयरमैन रमेशचंद सियाल ने गोटावत परिवार के उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। जेके महावीरचंद चोरड़िया ने समिति की गतिविधियों की जानकारी दी। इस मौके पर समिति की ओर से गोटावत परिवार का सम्मान किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीवदया

श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन युवक संघ अलसूर के सदस्यों ने अलसूर क्षेत्र की गृहणियों के हाथों से बनी रोटियों के अलावा फल, सब्जियां, भाजी, बिस्कुट, और अन्न सामग्री एकत्रित कर हेन्नूर, कोरमंगला, दोड्डुनिकुंदी, एमईजी गौशाला, गौत्तमपुरम गौशाला में अपने हाथों से गौमाता की सेवा की। अध्यक्ष लोकेश तातेड़, मंत्री संजय सुराणा के नेतृत्व में युवा सदस्यों ने यलहंका स्थित कुत्ता आश्रय में, शंखेश्वर पार्श्वनाथ कबूतर खाना, राजाजीनगर में तथा बंदरों को भोजन सामग्री वितरित की।

कार्यकर्ता दायित्व की कसौटी पर खरे उतरें : मुनि पुलकित कुमार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुनिश्री पुलकित कुमारजी एवं आदित्य कुमार जी अनेक क्षेत्रों की सार सम्भाल करते हुए बुधवार को विजयनगर के पोखरना निवास पहुंचे। इस अवसर पर तेरापंथ सभा गांधीनगर के उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना ने मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उपस्थित महासभा के नवनियुक्त राष्ट्री उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा को बधाई देते हुए सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर रोशनलाल पोखरना, अरविंद मांडोत, प्रकाश जोगड़, राकेश पोखरणा एवं कांता लोढ़ा उपस्थित थे। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि जागरूक रहने वाला एवं संघ-संघपति के प्रति समर्पित रहने वाला श्रावक श्राविका समाज है, आवश्यकतानुसार हर कार्यकर्ता अपनी सेवा देने हेतु तैयार रहते हैं, यह भावना गुरु के प्रति श्रद्धा, संघ निष्ठा और समाज के प्रति दायित्व की प्रधानता के बिना विकसित नहीं हो सकती।

बेंगलूरु के अनेक कार्यकर्ता केंद्रीय संस्थाओं में सेवा दे रहे हैं वे सभी संघ के प्रति समर्पण और दायित्व की कसौटी पर खरे उतरे यही कामना। नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश लोढ़ा ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि दायित्व तो एक व्यवस्था है हमें सदैव एक अच्छे श्रावक का धर्म निभाते रहना चाहिए। प्रकाश लोढ़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि महासभा के वर्ष 2026-28 में नवमनोनीत राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र नाहटा ने संरक्षक के रूप में महासभा टीम में बेंगलूरु से हीरालाल मालू, मूलचंद नाहर, लक्ष्मीपत दुधेड़िया, मदनलाल बोथरा, न्यासी की रूप में दिनेश बांठिया, दक्षिण कर्नाटक आंचलिक प्रभारी के रूप में महेंद्र दक तथा कार्य समिति में संजय बांठिया,नवनीत मुथा, इंद्रचंद गादिया तथा राकेश छाजेड़ को जोड़ा है ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

अब तमन्ना नहीं है

किसी बात की अब तमन्ना नहीं है ,
मुझे जो खरीदे वो धन्ना नहीं है।

उसे हर घड़ी मैं पलटता नहीं हूँ ,
जो मेरी कहानी का पन्ना नहीं है।

जिसे बेसबब सबने तोड़ा है जग में,
समझता है सबकुछ वो मुन्ना नहीं है।

ज़माने की कटुता लिए चल रहा हूँ ,
जिसे चख रहा हूँ वो गन्ना नहीं है।

बिना बोले कह देता है सारी बातें ,
यकीनन ये दिल इतना घुन्ना नहीं है।

बढ़ी जा रही है यूँ ही ज़िंदगी भी ,
नज़र में कोई आज बन्ना नहीं है।

अगर आ गये तो निकल ना सकोगे ,
ये दिल, दिल है 'नवरंग' छन्ना नहीं है।

■ माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

डीपीएच स्कूल में पूर्व विद्यार्थियों का स्नेह मिलन 1 फरवरी को

बेंगलूरु। शहर के अमोलकचंद चोपड़ा हिंदी बालक बस्ती, धनराज फूलचंद हिन्दी हाईस्कूल, पतासीबाई कन्या हिन्दी हाईस्कूल व हुक्मीचंद खींचा बाल निकेतन के पूर्व विद्यार्थियों का स्नेह मिलन 'बेक टू स्कूल' 1 फरवरी को विक्टोरिया लेआउट स्थित डीपीएच स्कूल में होगा। पूर्व छात्र जयचन्द कोठारी ने लगभग 850 पूर्व साथियों को परस्पर जोड़ा है। यह कार्यक्रम हिन्दी शिक्षा की गौरवपूर्ण परंपरा को पुनर्जीवित करने, पुरानी यादें ताजा करने तथा पूर्व विद्यार्थियों के बीच स्नेहपूर्ण संबंधों को मजबूत करने का अनुपम अवसर होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

हुब्बल्ली धारवाड़ आंजणा पटेल समाज सेवा संघ के अध्यक्ष सोपाराम काग, उपाध्यक्ष मुलाराम सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष दुदाराम कोदंली, पूर्व सचिव तांबाराम सीह व प्रवक्ता किशोर पटेल ने बुधवार को केएलई कर्नाटक एज्यूकेशन सोसाइटी के नवनिर्वाचित निदेशक मंजुनाथ मुनवली से उनके कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें उनकी नियुक्ति के लिए सम्मानित किया। ज्ञातव्य है कि मंजुनाथ हमेशा से ही राजस्थानी समाज की गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेते आ रहे हैं ।

देवी उत्सव :

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नागेंद्र ब्लॉक स्थित श्री राघवेंद्र ब्लॉक क्षेमाभिवृध्दि संघ द्वारा बंडी महाकालम्मा, अणम्मा देवी का 13वां वार्षिक उत्सव का आयोजन किया। मुख्य अतिथि महेन्द्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की व अपने हाथों से श्रद्धालुओं को भोजन परोसा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**